प्रयागराज, रविवार 15 जून 2025 से 21 जून 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-24
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-13 , अंक-24 | प्रयागराज, रविवार 15 जून 2025 से 21 जून 2025 तक | पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

अहमदाबाद विमान हादसा- मरने वालों का आंकड़ा 275 हुआ,प्लेन के पिछले हिस्से में फंसा एक शव और मिला,एयर होस्टेस का हो सकता है

नयी दिल्ली। अहमदाबाद में प्लेन क्रैश वाली जगह से शनिवार को एक और शव बरामद हुआ है। आज जब बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल में फंसा हुआ था, जिसे नीचे उतारा। बाद में इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। उधर, आज भी मारे गए लोगों की डीएनए सैंपलिंग का काम जारी है। सिविल अस्पताल के बाहर परिजन की भीड़ है। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। पोस्टमॉर्टम यूनिट के आसपास बाहरी लोगों की एंट्री बंद है। दिव्य भास्कर के मुताबिक, सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई है।अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में विमान के पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को भेजा गया आखिरी मैसेज सामने आया है। 4-5 सेकेंड के संदेश में सुमित कह रहे हैं, 'मेडे, मेडे, मेडे... थ्रस्ट नहीं मिल रहा। पावर कम हो रही है, प्लेन उठ नहीं रहा। नहीं बचेंगे।'एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने विमान हादसे के बाद फ्लाइट नंबर 171 को बंद करने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, आमतौर पर किसी घातक विमान हादसे के बाद एयरलाइंस उस फ्लाइट नंबर का इस्तेमाल बंद कर देती हैं।17 जून से अहमदाबाद-लंदन गैटविक रूट की फ्लाइट एआई 171 की जगह एआई 159 के नंबर से चलेगी। शुक्रवार से ही बुकिंग सिस्टम में जरूरी बदलाव कर दिए गए हैं।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक के कलबुर्गी से अहमदाबाद के लिए रवाना हुए हैं।बीजे कॉलेज के हॉस्टल को खाली कराया जा रहा है। यहां विमान

क्रैश होने के बाद हॉस्टल बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गई है। छात्र यहां से अपना सामान पैक करके जा रहे हैं। उनके लिए कैंसर अस्पताल भवन में रहने की व्यवस्था की गई है।वडोदरा के एक ताबूत बनाने वाले ने बताया कि हादसे के बाद एअर इंडिया ने 100 ताबूतों का ऑर्डर दिया था। नेल्विन राजवाड़ी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8:30-9:30 बजे मेरे पास एअर इंडिया के मैनेजर का फोन आया। उन्होंने कहा कि नेल्विन भाई... हमें 100 ताबूत चाहिए।गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सिंघवी ने कहा कि फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी हर परिवार के डीएनए का मिलान जल्द से जल्द करने के लिए काम कर रही है। भारत सरकार ने भी फोरेंसिक विशेषज्ञों के रूप में बड़ी मदद भेजी है। हम इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गुजरात ब्रांच ने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को पत्र लिखा है। आईएमए ने कहा कि अपनी जान गंवाने वाले यात्रियों के परिवारों को रु 1करोड़ के मुआवजे की घोषणा और बीजेएमसी कॉलेज हॉस्टल के रेनोवेशन में मदद के लिए आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही उन छात्रों के लिए आर्थिक मदद की उम्मीद करते हैं, जो हॉस्टल में प्लेन क्रैश होने से मारे गए या घायल हुए।सिविल अस्पताल में डीएनए सैंपलिंग जारी है। साथ ही यहां अहम बैठक चल रही है। परिवारों को किसी तरह की परेशानी न हो, इस पर चर्चा की जा रही है। अब तक 8 शव परिजनों को सौंपे गए हैं। 241 लोगों की डीएनए प्रक्रिया पूरी होने वाली है। कल शाम डीएनए रिपोर्ट आते ही उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के पुत्र ऋषभ रूपाणी डीएनए टेस्ट के लिए ब्लड सैंपल देने सुबह 11 बजे बीजे मेडिकल कॉलेज स्थित कासटी भवन आएंगे। अब तक करीब 230 सैंपल लिए जा चुके हैं। शुक्रवार रात तक 224 सैंपल लिए गए थे, जबकि आज सुबह-सुबह 6 सैंपल लेने की कार्रवाई की गई।आज सिविल अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर सिर्फ पुलिस सुरक्षा ही नजर आ रही है। अस्पताल कर्मियों और डॉक्टरों के अलावा किसी को भी पीएम रूम में जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। जिन मृतकों की पहचान हो सकी है उनके शवों को उनके परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया कल शुक्रवार को की गई थी, हालांकि आज सुबह से मृतकों का कोई भी रिश्तेदार पोस्टमॉर्टम रूम नहीं पहुंचा है।अहमदाबाद के सिविल अस्पताल

स्थित बी.जे. मेडिकल कॉलेज में डीएनए सैंपल कलेक्शन का काम जारी है। आज लगातार तीसरा दिन है जब सैंपल कलेक्शन का काम चल रहा है। टेस्टिंग सेंटर में कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मृतक के परिजनों और सैंपल देने आने वाले डॉक्टरों के अलावा किसी और को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। डीएनए सैंपल लेने आने वाले भाजपा नेताओं और उनके परिजनों से पूछताछ कर उन्हें अंदर जाने दिया जा रहा है। अब तक डीएनए सैंपल लेने की अधिकांश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन कुछ मृतकों के परिजन अभी तक सैंपल देने नहीं आए हैं। एआई-171 विमान हादसे में जान गंवाने वाले रॉजर क्रिश्चियन के माता-पिता ने इस हादसे की गहराई से जांच की मांग की। उन्होंने बताया कि उनका बेटा उन्हें यूरोप ले जाना चाहता था और कई देशों की सैर कराने का वादा किया था। रॉजर के पिता डेविड क्रिश्चियन ने सरकार से अपील की कि इस हादसे की गंभीरता से जांच की जाए और जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा हादसा फिर कभी न हो, ताकि किसी और परिवार को अपने बेटे या बेटी को न खोना पड़े। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'हम प्रशासन से अपील करते हैं कि इस हादसे की जांच हो। हमने अपने बेटे और बहू को खो दिया है, लेकिन हम चाहते हैं कि ऐसा किसी और के साथ न हो। इसलिए जो भी दोषी हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।'नागरिक उड्?डयन मंत्रालय ने बताया कि एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के क्रैश के कारणों की जांच के लिए एक हाई लेवल मल्टी डिसीप्लीनरी कमेटी गठित की गई है। यह समिति मौजूदा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स और ऐसे हादसों को रोकने व संभालने के लिए जारी दिशानिर्देशों की समीक्षा करेगी, और आगे इस तरह की घटनाओं से कैसे निपटना है, इसके लिए दिशानिर्देश सुझाएगी। इस समिति के बनने से उन जांचों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जो पहले से संबंधित एजेंसियां कर रही हैं।नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी गांधीनगर के डायरेक्टर प्रो. डॉ. एसओ जुनारे ने बताया कि डीएनए टेस्टिंग की जिम्मेदारी एनएफएसयू और फोरेंसिक साइंस लैब के पास है। दोनों संगठन एक साथ डीएनए जांच कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में ज्यादा डीएनए टेस्ट की जरूरत होती है। ऐसे में परिवार के एक से ज्यादा सदस्य एक ही शव के लिए डीएनए सैंपल देते हैं। शरीर का कोई भी बचा हिस्सा, जैसे मांसपेशियां, दांत, हड्डियां या बोन मैरो का सैंपल लेकर हम एक घंटे के भीतर डीएनए टेस्टिंग की जा सकती है। टुकड़ों में टूटे शवों के लिए परीक्षण में ज्यादा समय लग सकता है। डॉ. जुनारे ने बताया कि कुल 250 शवों के नमूने आ चुके हैं। परिवार वेज सदस्यों वेज 138 सैंपल एनएफएसयू और 138 सैंपल एफएसएल में पहुंचे हैं। विदेशी नागरिकों, अन्य राज्यों के लोगों, परिवार के सदस्यों से कोई सैंपल नहीं लिए गए। 50 फीसदी यात्रियों के शव बुरी तरह जल गए हैं। इनकी डीएनए टेस्टिंग बड़ी चुनौती है। दांत, हड्डी और अन्य अंगों की मदद से डीएनए टेस्टिंग करेंगे।

मोसाद ने कैसे ईरान में बनाया ड्रोन का बेस कहां किए हमले; किन सैन्य अफसरों को मारा

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में बीते करीब दो साल से लगातार संघर्ष की स्थिति जारी है। फलस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास की तरफ से अक्तूबर 2023 में किए गए हमले के जवाब में इस्राइल ने अब तक गाजा पट्टी से लेकर लेबनान और यमन तक को निशाना बनाया है। अब पश्चिम एशिया में जारी इस संघर्ष में नया आयाम जुड़ गया है। दरअसल, इस्राइल ने शुक्रवार 13 जून की अल-सुबह ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इस्राइल ने कहा कि वह अपने खिलाफ खड़े होने वाले खतरों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा। बताया गया है कि इस्राइल की तरफ से ड्रोन्स के जरिए किया गया यह हमला ईरान की राजधानी तेहरान तक को दहला गया और एक परमाणु संवर्धन केंद्र तक में धमाके की बात सामने आई है। इस बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर यह हमला उसे ऑपरेशन राइजिंग लॉयन (उभरता शेर अभियान) का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ईरान, इस्राइल के अस्तित्व के लिए खतरा है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस्राइल के इस हमले में रेवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख हुसैन सलामी का निधन हो गया। इसके अलावा तेहरान में कई रिहायशी इमारतों को भी निशाना बनाया गया। हमले में मारे जाने वालों में कई बच्चे भी शामिल हैं।ईरान बीते काफी समय से अपने परमाणु संवर्धन और परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों के निर्माण कार्यक्रम पर जोर दे रहा है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कुछ समय पहले ही दावा किया था कि ईरान के पास नौ परमाणु बम बनाने लायक संवर्धित यूरेनियम इकट्ठा हो चुका है।हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया था कि ईरान के पास करीब 408 किलोग्राम यूरेनियम 60 फीसदी तक संवर्धित (एनरिच्ड) है। इसके अलावा 133 किलो यूरेनियम 50 फीसदी तक संवर्धित है। आईएईए ने कहा था कि ईरान ने बीते वर्षों में अपने परमाणु कार्यक्रम को तेजी से बढ़ाया है। गौरतलब है कि यूरेनियम को 90 फीसदी तक संवर्धित कर के परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। इस्राइल और ईरान बीते कई वर्षों से आमने-सामने हैं। जहां ईरान इस्लामिक देशों के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए इस्राइल को निशाने पर लेता रहा है और उसके खिलाफ फलस्तीन में हमास, यमन में हूती और लेबनान में हिज्बुल्ला को समर्थन देता रहा है। जबाब में इस्राइल भी ईरान को अलग-अलग समय में निशाना बनाता रहा है और परमाणु कार्यक्रम पर काम कर रहे उसके वैज्ञानिकों से लेकर सैन्य प्रमुखों तक पर हमले बोले हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस कार्यक्रम को रोकने के लिए कुछ महीने पहले ही परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए उसके साथ बातचीत की पेशकश की थी। ईरान ने इसे स्वीकारते हुए अप्रैल में कुछ मांगों के साथ इस चर्चा में अपना पक्ष भी रखा। हालांकि, दोनों ही पक्ष अब तक समझौते को लेकर एकमत नहीं हुए। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से समझौते को लेकर जो दो महीने की समयसीमा तय की गई थी, वह भी खत्म होने वाली है। ट्रंप ने ईरान से उसके परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू होने के बाद कई मौकों पर धमकाते हुए कहा है कि अगर बातचीत सफल नहीं होती तो इसका विकल्प सिर्फ एक संघर्ष होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी कह चुके हैं कि समझौता न होने की सूरत में इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने की तैयारी कर ली है।रिपोर्ट्स की मानें तो इस्राइल ने इस पूरे हमले की तैयारी कई वर्षों पहले शुरू कर दी थी। हालांकि, इसे लेकर ताजा बैठक गुरुवार को बेहद गुपचुप तरीके से हुई। दरअसल, गुरुवार रात को सुरक्षा कैबिनेट की जो बैठक बुलाई गई, उसमें गाजा में कैद इस्राइली नागरिकों को छुड़ाने पर चर्चा की जानी थी। यहां तक कि मंत्रियों को भी मीटिंग का यही एजेंडा बताया गया। सिर्फ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, इस्राइल की खुफिया एजेंसी- मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया और कूटनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डेर्मर को ही ईरान पर हमले की असल योजना की जानकारी थी। ऐसे में जब सभी मंत्री जब गाजा में फंसे नागरिकों को छुड़ाने पर चर्चा के लिए जुटे, तो उन्हें ईरान के खिलाफ अभियान की जानकारी दी गई। कई मंत्रियों के लिए यह जानकारी चौंकाने वाली थी। हालांकि, इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। साथ ही इसका खुलासा न करने का

भी समझौता हुआ। इसी के साथ इस्राइल में झूठी खबरें प्रसारित की गईं कि नेतन्याहू अगले हफ्ते अपने परिवार के साथ गैलीली में बेटे की शादी में हिस्सा लेने जा सकते हैं। इसे लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से एक बयान भी जारी किया गया और कहा गया कि मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया और कूटनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डेर्मर भी ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मिलने के लिए अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान नेतन्याहू ने उस रिपोर्ट को भी खारिज नहीं किया, जिसमें कहा गया था कि ईरान पर हमले को लेकर उनके और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच सहमति नहीं है। इस्राइल के मुताबिक, ईरान पर हमले की यह योजना कई साल से बनाई जा रही थी। इसे बनाने के लिए इस्राइली सेना और मोसाद लगातार साथ काम कर रही थीं। इस योजना के तहत.मोसाद ने ईरान के अंदर ही ड्रोन्स को लॉन्च करने के लिए बेस का निर्माण किया और देश के अंदर अपने हथियार और कमांडो पहुंचाए। मोसाद ने ईरान में अपनी क्षमता को परखने के लिए कई ऐसे अभियान भी चलाए, जिनसे ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया गया। इस्राइली जासूसों ने ईरान की जमीन से हवा में मार करने वाले मिसाइल लॉन्चरों के पास उच्च-तकनीक वाले गाइडेड हथियार भी तैनात कर दिए।इसके अलावा मोसाद ने ईरान के रक्षा ठिकानों के आसपास खुले इलाकों और नागरिक वाहनों में भी अपने कुछ ड्रोन्स छिपा दिए।जब इस्राइल ने ईरान पर एयरस्ट्राइक के जरिए ईरान को निशाना बनाया तब छिपाए गए इस्राइली हथियारों और ड्रोन्स ने ईरानी हवाई रक्षा प्रणाली पर हमला बोल दिया। इससे इस्राइल के फाइटर जेट्स के लिए आगे का रास्ता साफ हो गया और ईरान के परमाणु ठिकानों के साथ-साथ उसके सैन्य ठिकानों पर भी अचूक निशाने लगाए गए। इस्राइल के एक अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इस्राइल अखबार को बताया कि इस योजना को बनाने में एक साल से भी ज्यादा का समय लग गया। यह योजना पहले अप्रैल में अंजाम दी जानी थी। हालांकि, बाद में इसे टाल दिया गया। नाम न उजागर करने की शर्त पर इस अफसर ने कहा कि इस्राइल की स्पेशल फोर्सेज और जासूस लगातार ईरान के अंदर रहकर ही अभियान चला रहे हैं और ईरानी शासन को इसकी खबर तक नहीं है। बताया गया है कि ईरान से कुछ वीडियोज भी सामने आए हैं, जिनमें इस्राइली एजेंट्स को उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों और हवाई रक्षा उपकरणों को निशाना बनाते देखा जा सकता है। आज ईरान और इस्राइल भले ही आमने-सामने हैं लेकिन ये कभी दोस्त हुआ करते थे। इनके रिश्तों में खटास की वजह ईरान की क्रांति को माना जाता है। दरअसल 1948 में जब इस्राइल अस्तित्व में आया तो ईरान उसे देश के रूप में मान्यता देने वाला दूसरा मुस्लिम बहुल देश बना था। उस वक्त ईरान में पहलवी राजवंश का शासन था। इस राजवंश ने आधी सदी से अधिक समय तक शासन किया गया था। पहलवी राजवंश अमेरिका का समर्थक था जबकि इस्राइल अमेरिका का समर्थन करता था। । ईरान की 1979 में हुई इस्लामी क्रांति ने दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास ला दी। नई ईरानी सत्ता ने अमेरिका को ईरान में 'महान शैतान' और इस्राइल को 'छोटा शैतान' की संज्ञा दे दी। क्रांति के बाद ईरान ने इस्राइल के साथ सभी संबंध तोड़ दिए। इसके बाद दोनों बीच की दुश्मनी बढ़ती चली गई।इस्राइली हमले में इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हुई है। सलामी आईआरजीसी मुख्यालय पर हुए हमले में मारे गए। वह ईरान के सबसे प्रभावशाली सैन्य अधिकारियों में से एक थे और 2019 से आईआरजीसी के प्रमुख पद पर थे। उन्हें कट्टर और आक्रामक रणनीति के लिए जाना जाता था। ईरान का रिवॉल्यूशनरी गार्ड देश के भीतर मुख्य शक्ति केंद्रों में से एक है। यह ईरान के बैलिस्टिक मिसाइलों के शस्त्रागार को भी नियंत्रित करता है। इसके अलावा इन हमलों में ईरान के छह वैज्ञानिकों के भी मारे जाने की खबर है। इस्राइल ने ईरान के सैन्य प्रमुख मोहम्मद बाघेरी के भी मारे जाने का दावा किया है। ईरान पर इस्राइल की एयर स्ट्राइक में ईरान के 20 टॉप कमांडरों के मारे जाने की खबर है।

लखनऊ में 2 भाइयों की हार्ट अटैक से मौत:मां बेसुध पिता बोले- क्या गलती हो गई भगवान

लखनऊ। घटना की जानकारी देते हुए प्रियंका फफककर रो पड़ीं। जुबान थम गई, चेहरा पसीने से भर गया। प्रियंका ने 4 दिन के भीतर अपने 2 भाइयों को खो दिया। एक जैसी मौत से परिवार-रिश्तेदार और पड़ोसी हर कोई गमगीन है। 'भैया को बहुत

भाई के साथ जो हुआ, वो ईश्वर की मर्जी थी, लेकिन वो नहीं माने। 9 जून के बाद से उन्होंने ठीक से नींद नहीं ली, खाना नहीं खाया। पवन के जाने के बाद भैया कहते थे।अब किसके लिए जिएं? मैं रोज उन्हें मनाती थी, खाना बनाकर सामने रखती थी, लेकिन वो थाली समझाया। बार-बार कहा कि छोटे देखते थे, खाते नहीं थे। शुक्रवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया।' चार दिन पहले पवन सिंह (25) की मौत हुई। अब बड़े बेटे मोनू सिंह (45) की भी जान चली गई। पडोसी शेर बहादुर यादव बताते हैं- पवन बहुत अच्छा लड़का था। 15 साल से मेरे बेटे के साथ कचहरी आता-जाता था। जब मुझे बुखार आता था तो दवा लेकर भागा-भागा आता था। उसके जाने के बाद अब मोनू की भी मौत हो गई। मुझे लगता है कि ये सब भीषण गर्मी और हीट वेव की वजह से हुआ। साथी सरोजनी नगर बार एसोसिएशन वे पूर्व उपाध्यक्ष एडवोकेट मनोज यादव कहते हैं- पवन मेरा जूनियर था। घटना से पहले चैंबर में ही मिला था। काम निपटाने के बाद बाहर गया और अचानक गिर पड़ा। हम लोग उसे लेकर अस्पताल भागे, लेकिन जान नहीं बची। मोनू और पवन दोनों बिल्कुल राम-लक्ष्मण जैसे थे, एक-दूसरे से बहुत प्रेम करते थे। बहन प्रियंका बहन प्रियंका बताती हैं- हम तीन भाई-बहन थे। दो भाई चले गए। मेरी मां बेसुध हैं, पापा रो-रोकर थक गए हैं। मेरी बेटी मामा को पुकार रही है, लेकिन उसे कैसे समझाएं कि अब उसके मामा नहीं हैं। मोनू भैया को बच्चा नहीं था, वो हमें ही अपने बेटे-बेटी मानते थे। छोटे भाई पवन की फरवरी में शादी तय हुई थी, खूब तैयारियां हो रही थीं। मोनू भैया कहते थे। इसकी शादी पूरे मोहल्ले की सबसे शानदार शादी होगी। लेकिन अब...सब खत्म हो गया। प्रियंका मोबाइल में शादी की एक तस्वीर दिखाते हुए कहती हैं- देखो, दोनों भाई मेरी शादी में कैसे साथ खड़े थे। अब दोनों नहीं रहे। लगता है कि हमारे परिवार को किसी की नजर लग गई।

विमान हादसे में मृतकों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि:प्रयागराज में सांसद उज्ज्वल रमण की अगुवाई में हुआ कार्यक्रम, तकनीकी जांच की करि मांग

प्रयागराज। कांग्रेस ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि दी। शुक्रवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क के बाहर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह और शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। सांसद ने बताया कि यह आयोजन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर किया गया। राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस को पीड़ित परिवारों की सहायता का निर्देश दिया है।उज्ज्वल रमण सिंह ने केंद्र सरकार से विमान की तकनीकी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि विमान में तकनीकी खामी के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने केंद्र से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने का आग्रह किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इनमें अशोक पटेल, मुकुंद तिवारी, हरिकेश त्रिपाठी, हसीब अहमद और अल्पना निषाद प्रमुख थे। सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

किराना दुकानदार ने कनपटी पर गोली मार करि खुदकुशी,पत्नी मायके गई थी, पुलिस कर रही पूछताछ

प्रयागराज। किराना कारोबारी ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मामला शहर के खुल्दाबाद इलाके का है। किराना की दुकान चलाने वाले 45 साल के राजकिरण शुक्ला ने तमंचे से अपनी कनपटी पर गोली मार जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। तमंचा भी बरामद हो गया है। सुसाइड नोट नहीं मिला। आत्महत्या की वजह साफ नहीं है। पुलिस पूछताछ कर रही है। पत्नी मायके चली गई थी। इसे लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।खुल्दाबाद के रहने

वाले शिवकरण शुक्ला के बेटे राजकिरण शुक्ला की किराना की दुकान है। एक हफ्ते पहले राजकिरण की पत्नी स्वाति शुक्ला अपनी इकलौती बेटी 11 वर्षीय अनामिका के साथ कानपुर मायके गई थी।रोजाना की तरह गुरुवार की रात दुकान बंद करने के बाद राजकिरण घर लौटा। वह छत पर सोने चला गया। रात लगभग साढ़े 12 बजे अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्यों में खलबली मच गई।घर वाले पहुंचे तो राजकिरण खून से लथपथ मिला। राजकिरण ने दाहिने हाथ से कनपटी में तमंचे से गोली मारकर जान दे दी थी। मौके पर पहुंची खुल्दाबाद थाने की पुलिस ने अवैध तमंचा को जब्त करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम को भेजा।परिवार के लोग इस बारे में कुछ नहीं बता सके। हालांकि पूछताछ में साफ हुआ कि घरेलू कलह की वजह से वह परेशान था। पत्नी के मायके जाने की वजह से वह टूट गया था।

अवैध खनन पर पुलिस का एक्शन:आधी रात गंगानगर में दबिश, 11 गिरफ्तार; 5 जेसीबी और 8 ट्रैक्टर जब्त

प्रयागराज। प्रयागराज के गंगानगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ 'ऑपरेशन मिट्टी' शुरू किया है। एडीसीपी पुष्कर वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सराय मामरेज इलाके में आधी रात को छापेमारी की। इस दौरान 11 लोगों को मिट्टी का अवैध खनन करते हुए पकड़ा गया।पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके पर भगदड़ मच गई। कुछ खनन माफिया भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने सभी को धर दबोचा। टीम ने मौके से 5 जेसीबी मशीनें और 8 ट्रैक्टर जब्त किए। कई बाइक भी बरामद की गईं। जांच में सामने आया कि खनन माफिया गंगा किनारे से मिट्टी निकालकर आसपास के इलाकों में ऊंचे दामों पर बेचते थे। एडीसीपी पुष्कर वर्मा ने कहा कि यह कार्रवाई शुरुआत है। अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। प्रशासन अब जब्त वाहनों की वैधता और खनन स्थलों की जांच कर रहा है। इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

शुआट्स में खरीफ गोष्ठी एवं बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किसानों को वैज्ञानिक खेती और पशुपालन के लिए किया गया प्रोत्साहित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। बीते शुक्रवार को सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) के प्रसार निदेशालय द्वारा प्रयागराज एवं विन्ध्यांचल मण्डलों के सातों जनपदों प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र के कृषकों हेतु एक दिवसीय खरीफ गोष्ठी एवं बीज वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन दिनांक 13 जून 2025 को किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक विधि से खेती, सब्जियों की बेहतर उपज प्राप्त करने के तरीके और वर्षा ऋतु में पशुपालन से अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, इंजी. राजेंद्र कुमार सिंह, अपर निदेशक कृषि प्रसार, उ0प्र0 शासन, लखनऊ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपने संबोधन में श्री सिंह ने शुआट्स को अपने लिए एक पवित्र स्थल बताया और बताया कि यहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होना अपने लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कृषि की शुरुआत मृदा परीक्षण से करने पर जोर दिया, क्योंकि मिट्टी हमारी माँ है, और हमें पहले इसे मजबूत बनाना होगा। उन्होंने किसानों को गर्मी की जुताई के महत्व पर बल दिया, क्योंकि फसल के लिए मिट्टी में जीवाश्म कार्बन की उपस्थिति (0.8 प्रतिशत मात्रा में) अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ढैंचा हरी खाद और गोबर की खाद के उपयोग की सलाह दी, खेत में आग न लगाने का आग्रह किया, और सोलर पंप लगाने का सुझाव दिया। साथ ही, उन्होंने किसानों से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ उठाने, फसल बीमा करवाने और एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) से जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कुछ प्लॉट्स पर प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उप

निदेशक कृषि, प्रयागराज श्री पवन विश्वकर्मा ने अपने संबोधन में किसानों को कृषि में छोटी-छोटी सावधानियां बरतने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसान भाइयों को कम लागत में ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले, और उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि व किसान रजिस्ट्री के बारे में भी विस्तृत चर्चा की।(डॉ प्रवीन चरण) निदेशक प्रसार

डाक पंजीयन नं. AD -99/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com – E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com आधुनिक समाचार

रामायण पाठ से मानव कल्याण संभव-स्वामी पंचमानंद जी महाराज

नोएडा। सेक्टर 93 स्थित सुपर एमआईजी सनातन धर्म मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने कथा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भरत जी चित्रकूट में भगवान राम से मिलते हैं। भगवान राम उनको गले से लगा लेते हैं और पिता का वचन याद दिला कर वापस अयोध्या भेज देते हैं। आगे भगवान राम पंचवटी में निवास करते हैं जहां पर रावण की बहन सूर्पनखा पहुंचती है और विवाह का प्रस्ताव रखती है। बार बार मना करने पर भी नहीं मानती है तो लक्ष्मण जी उसके नाक कान काट लेते हैं। रावण दरबार में सुर्पणखा विलाप करती हुई पहुंचती हैं। रावण ने उसकी दशा देखकर पूछा कि तेरे नाक कान किसने काटे। सुर्पणखा ने कहा कि राम लक्ष्मण दशरथ के पुत्र हैं। राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने नाक कान काटे हैं और उन्होंने खर दूषण और त्रिसरा का भी वध कर दिया। रावण सोचता हैं खर दूषण को मारने वाला निश्चित हठि करऊँ। प्रभु सर प्रान तजे भव तरऊँ"। रावण मारीचि के पास जाता हैं और राम से बदला लेने के लिए कपट मृग बनने को कहता हैं। मारीचि सोने का मृग बनकर पंचवटी से निकलता हैं तो सीता राम जी से उस स्वर्ण मृग की खाल लाने को कहती हैं। राम जी उसके पीछे जाते है और उस स्वर्ण मृग को एक बाण से मार देते हैं। मारीचि मरते समय हा लक्ष्मण हा लक्ष्मण की आवाज करता हैं। सीता जी ने राम को संकट में जानकर लक्ष्मण को उनकी सहायता में भेजती है। मौका देखकर लंकेश साधु का वेश रखकर सीता को जबरदस्ती सीता को रथ में बैठाकर आकाश मार्ग से जाता हैं।" गीधराज सुनि आरत बानी। रघुकुलतिलक नारि पहिचानी"। जटायु रावण पर हमला कर देते हैं इसके बाद लंकेश जटायु के पंख तलवार से काट देता है। इधर राम लक्ष्मण पंचवटी पहुंचते हैं वहां पर सीता को न पाकर दुःखी होकर ढूंढने लगते हैं।" हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी तुम देखी सीता मृग नैनी"। रास्ते वह सारा वृतांत बताते हैं और भगवान की गोद में अपने प्राण त्याग देते हैं। उसके बाद भगवान सबरी के आश्रम पहुंचते हैं जहां पर प्रेम भक्ति में सबरी के झूठे बेर खाते हैं। श्रीराम कथा के नौवें दिन हनुमान जी राम जी की भेंट, सुग्रीव मित्रता, बाली वध, सीता खोज, लंका दहन, रावण वध और राम राज्याभिषेक आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर राजवीर सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, वीरेंद्र द्विवेदी, शैलेश द्विवेदी, राज दूबे, एल एस तिवारी, विजय झा, देवमणि शुक्ल, संजय पांडेय, अंगद सिंह तोमर,रवि राघव, गोरे लाल, रमेश कुमार वर्मा, हरि शंकर सिंह, रमेश चंद्र दास, हंसमणि शुक्ल, धर्मेंद्र सिंह,विकास शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, आचार्य गौरव, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, विनय त्रिवेदी, आदित्य अग्रवाल, जितेंद्र सतपति, संगम प्रसाद मिश्रा, सर्वेश तिवारी उमाकांत त्रिपाठी, श्याम मौर्य, दिनेश पाठक, विवेक कुमार सिंह, अनिल चौधरी, रंजन गिरि, प्रमोद भारद्वाज, राम भरोसे झा, रमेश चंद्र शर्मा सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

एण्टीरोमियो टीम ने महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0'के तहत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत करें आवेदन, अन्तिम तिथि 30 जून

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण इरफानुल्लाह खान ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत जनसामान्य को आच्छादित करने के लिए आवेदन हेतु विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर 16 जून 2025 से खोला जा रहा है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून 2025 है। योजनान्तर्गत परियोजनाओं का विवरण, इकाई लागत आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख व विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इस योजना में शासन स्तर से यदि कोई संशोधन होता है तो, संशोधित प्रविधान लागू होंगें। योजना में पूर्व वर्षों के रद्द/प्रतीक्षारत आवेदक पुनः आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त योजना के सम्बन्ध में मत्स्य विभाग के कार्यालय से भी किसी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

नकली सोना देने पर दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/शक्तिनगर। नकली सोना देने के आरोप में शक्तिनगर पुलिस ने सोनार के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। यह कार्रवाई विकास पटेल पुत्र लाल बहादुर पटेल निवासी सुभाव थाना पन्नूगंज के तहरीर पर हुआ है। विकास पटेल ने शक्तिनगर पुलिस को तहरीर में दिए पत्र में आरोप लगाया कि राजेश प्रसाद सोनार पुत्र राम प्रताप सोनार निवासी पकड़ी थाना पकड़ी जिला बलिया का खड़िया बाजार में रहकर आभूषण का दुकान मेसेर्स आदित्य ज्वेलर्स नाम से दुकान संचालित करता है। बीते 2 अप्रैल 2024 को कुछ सोने का आभूषण खरीदा था। बाद में चेक कराया तो वह सोना नकली निकला। राजेश प्रसाद सोनार से पैसा मांगा गया तो न पैसा वापस हुआ न ही गहना वापस लिया। आरोप लगाया कि राजेश प्रसाद सोनार द्वारा छल करते हुए पैसा गबन किया है। पुलिस ने राजेश प्रसाद सोनार के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना में जुट गई है।

प्रजनन करने वाली मछलियां पकड़ने, बेचने पर रोकः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उपकरणों जिससे निकारमाही सम्भव

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा उत्तर प्रदेश मत्स्य अधिनियम 1948 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत निम्न निषेधाज्ञा आदेश पारित किये गये हैं कि कोई भी व्यक्ति प्रतिबन्धित अवधि 15 जून, 2025 से 30 जुलाई, 2025 तक मत्स्य प्रजनन अवधि में जलाशय, मीनाशय तथा नदियों में शिकारमाही नहीं करेगा। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति 15 जुलाई, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक की अवधि में जलाशय, मीनाशय तथा नदियों से फ्राई एवं फिंगरलिंग को पकड़ने, नष्ट करने, अथवा बेचने की कार्यवाही नहीं करेगा और न ही ऐसा करने के लिये किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति 15 जून, 2025 से 30 जुलाई 2025 तक मत्स्य प्रजनन अवधि में तथा 15 जुलाई, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक की अवधि में जलाशय, मीनाशय तथा नदियों से फ्राई एवं फिंगरलिंग को पकड़ने, नष्ट करने, बेचने, बच्चों की निकासी करने तथा ऐसे समस्त हो द्वारा शिकारमाही करने का कार्य नहीं करेगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि मत्स्य अधिनियम की धारा-6 के अन्तर्गत प्राधिकृत मत्स्य विभाग के अधिकारी तथा पुलिस उप निरीक्षक को बिना वारन्ट के उक्त कृत्य करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार होगा। मत्स्य विभाग के अधिकारियों द्वारा उक्त कृत्य करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध अधिनियम की धारा 8 के अन्तर्गत एक मुश्त जुर्माना लगाने का भी अधिकारी होगा। कोई भी व्यक्ति अथवा मत्स्य व्यवसायी उक्त अवधि में किसी भी जलाशय, मीनाशय, तथा नदियों में या उसके किसी भी भाग में मत्स्य स्पॉन, जीरा, अंगुलिका तथा मत्स्याचेट नहीं करेगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि उपरोक्त आदेश जनपद रायबरेली की सम्पूर्ण सीमा के अन्तर्गत उपरोक्त वर्णित समयावधि तक प्रभावी रहेगा। उपर्युक्त आदेश का उल्लंघन, उ0प्र0 मत्स्य अधिनियम 1948 की धारा-6 तथा धारा-8 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

''बाल श्रम'' के प्रति लोगों को जागरूक करने लिये रैली व हस्ताक्षर अभियान का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध

दिवस के तहत 12 से 17 जून 2025 तक बाल श्रम निषेध सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके क्रम में आज आम जन मानस में बाल श्रम जैसी सामाजिक अभिशाप के प्रति जागरूक करने उनमें इस प्रथा से होने वाले सामाजिक हानि से अवगत कराये जाने हेतु एक रैली का आयोजन जनपद रायबरेली में किया गया। रैली कार्यालय सहायक श्रमायुक्त गांधी नगर रायबरेली से प्रारम्भ होकर विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए कार्यालय सहायक श्रमायुक्त में समाप्त हुई जिसमें स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारी एवं स्थानीय आम जन सहित कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रैली में मिलिन्द्र द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार एवं सदस्य बाल कल्याण समिति रायबरेली भी सम्मिलित हुए। रैली की अगुवाई कर रहे आर0एल0 स्वर्णकार, सहायक श्रमायुक्त रायबरेली द्वारा मार्ग में मिलने वाले दुकानदारों एवं आम राहगीरों को भी बाल श्रम के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए अपने आस-पास ''बाल श्रम'' को रोकने के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया गया। इस रैली में कार्यालय के कर्मचारी अपने हाथो में प्ले कार्ड लिए रहे जिसमें ''बाल मजदूर मुक्त जिला हमारा संकल्प'', ''बच्चे काम नहीं, पढ़ाई के लिए बने हैं'', ''पढ़ेगा भारत, तभी बढ़ेगा भारत'', ''बचपन बचाओ, शिक्षा दिलाओ'', ''बाल श्रम अपराध है, समाज के लिए आप हैं'' एवं ''हम सब ने यह ठाना है, बाल मजदूरी हटाना है'' जैसे नारों को प्रदर्शित कर ''बाल श्रम'' के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर बाल श्रम उन्मूलन हेतु हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया जिसमें उपस्थित अधिकारियो, अगंतुको एवं आम जन मानस द्वारा बाल श्रम को रोकने का प्रयास करने का संकल्प लेते हुए हस्ताक्षर किये गये।

बिहार वासियों के सशक्तिकरण के लिए चला अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रह रहे मूल बिहारवासियों के मध्य अभियान के सशक्तिकरण के उद्देश्य से दिल्ली-एनसीआर महिला टीम की बैठक बिहार के लोकप्रिय सीनियर आईपीएस अधिकारी विकास वैभव की उपस्थिति में 13/06/2025 को 10-12 द्वारका में है । बैठक की अध्यक्षता डॉ अनीता पांडेय और रचना शाही ने की। लक्ष्य स्पष्ट है विकसित बिहार की परिकल्पना को साकार करना।दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रह रहे मूल बिहारवासियों के मध्य बिहार अभियान के सशक्तिकरण तथा 14 दिसंबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में निर्धारित 'बिहार डेवलपमेंट समिट में अधिकाधिक सहभागिता के उद्देश्य से पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में दिशा फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ पवन कुमार के द्वारा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर स्वास्थ्य किटों का निःशुल्क वितरण किया गया । कार्यक्रम निहाल विहार पश्चिमी दिल्ली में दिशा फाउंडेशन और लेट्स इंस्पायर बिहार की तरफ से एक संयुक्त कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहार के वरिष्ठ आईपीएस विकास वैभव और मुख्य समन्वयक इंद्र मोहन यादव , अनिल झा, डॉ अनीता पांडेय, संस्था के चेयरमैन डॉ पवन और समाजसेविका लेखिका कविता सिंह, समाज सेविका उषा ठाकुर ,लेखिका संगीता झा और कई सारी समाजसेवी के उपस्थिति में हुई । दिल्ली-एनसीआर में निवास कर रहे लाखों बिहारवासियों को बिहार के उज्ज्वलतम भविष्य निर्माण के निमित्त अभियान के साथ जोड़ने हेतु प्रयास करने का सभी ने संकल्प लिया।

रामकथा में प्रभु राम और भरद्वाज मुनि संवाद का रोचक वर्णन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हैं कि आज हमारी तपस्या सफल हो

नोएडा। सेक्टर 93 स्थित सुपर एमआईजी सनातन धर्म में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, लक्ष्मण,सीता और गृह राज निषाद के साथ गंगा पार उतरकर मां गंगा को प्रणाम करके आगे बढ़ते हैं। प्रयागराज पहुंचकर वह त्रिवेणी में स्नान करते हैं और मुनि भारद्वाज जी के आश्रम पहुंचते हैं। मुनि की दंडवत प्रणाम करते हैं और भारद्वाज जी उनको गले से लगाकर आशीर्वाद देते हैं। भारद्वाज जी आनन्द मग्न हो जाते हैं और सोचते गई , मेरा जीवन धन्य हो गया। मुनि प्रभु राम सहित सभी को पवित्र आसान बैठने के लिए देते हैं और खाने में कंद मूल फल देते हैं। सभी प्रकार से संतुष्ट कर प्रभु की वंदना करते हैं लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम कहते हैं कि हे मुनि जिस को आपका आशीर्वाद मिल जाता है वही बड़ा हो जाता है। रात्रि विश्राम के बाद प्रभु राम मार्ग पूछकर आगे के लिए प्रस्थान कर जाते हैं।13 जून को राम भरत मिलाप सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर राजेश कुमार गुप्ता, वीरेंद्र द्विवेदी, राजवीर सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, राज दूबे, वीरेंद्र रोहित सिंह राठौर,देवमणि शुक्ल , रवि राघव, गोरे लाल, रमेश कुमार वर्मा, संजय पांडे, हरि शंकर सिंह रमेश दास, जितेंद्र सतपति, उमाकांत त्रिपाठी, विकास शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, आचार्य गौरव ,हंसमणि शुक्ल, संगम प्रसाद मिश्रा, दिनेश पाठक, सर्वेश कुमार तिवारी, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, विनय त्रिवेदी, धर्मेंद्र सिंह, सी एल तिवारी, आदित्य अग्रवाल, श्याम मौर्य, एल एस तिवारी, रंजन गिरि, प्रमोद भारद्वाज, रमेश चंद्र शर्मा, राम भरोसे झा, शिव कुमार पाठक सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एडीएम (प्रशासन) की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पास साफ सफाई तथा गमलों में पेड़

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। सभी उपस्थित सदस्यों का जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली कैप्टन (नौसेना) अतुल्य दयाल (अ0प्रा0) द्वारा स्वागत किया गया तथा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण किया गया। सैनिक बन्धु समिति उपाध्यक्ष आनरेरी कैप्टन राजपाल सिंह द्वारा शहीद स्मारक मुंशीगंज के पास वॉर मेमोरियल बनवाए जाने हेतु नगर पालिका से एन0ओ0सी0 दिलाये जाने हेतु एवं पूर्व सैनिक नरेन्द्र सिंह द्वारा शहीद चौक, डिग्री कॉलेज चौराहा के लगवाने एवं उनकी देखभाल किए जाने हेतु नगर पालिका से अनुरोध किया गया। हवलदार हरिवंश सिंह द्वारा शस्त्र लाइसेंसों के शीघ्र नवीनीकरण हेतु अनुरोध किया गया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर उप मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रतिनिधि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, प्रतिनिधि कमांडिंग आफिसर एन0सी0सी0, प्रतिनिधि कर्नल वेटरन, मध्य यूपी सब एरिया लखनऊ, प्रतिनिधि वरिष्ठ कोषाधिकारी, प्रतिनिधि पुलिस पुलिस अधीक्षक व सैनिक बन्धु समिति के सदस्य एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने जिला अस्पताल, वृद्धा आश्रम बाल गृह (बालिका) का निरीक्षण कर दिये आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य महिला

आयोग की मा0 उपाध्यक्ष चारु चौधरी ने आज जनपद भ्रमण के दौरान जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।मा0 उपाध्यक्ष ने निरीक्षण के समय अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। अस्पताल में साफ-सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। मरीजों को समय पर दवाएं और उपचार उपलब्ध कराया जाए, किसी भी मरीज को अनावश्यक रिफर न किया जाए। अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ की उपस्थिति समय से सुनिश्चित कराई जाए। मरीजों के परिजनों के लिए बैठने और अन्य सुविधाओं का बेहतर प्रबंध किया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों के लिए दवा, जांच व उपचार निःशुल्क है, इसलिए यह सुनिश्चित कराया जाए कि किसी भी मरीज को बाहर की दवा, जांच न लिखी जाए। मरीजों व तीमारदारों से चिकित्सकों व स्टाफ द्वारा अच्छा मधुर व्यावहार किया जाए, इसके लिए कार्यशाला कर स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित करते हुवे कहा कि आज के निरीक्षण में जो भी कमियां मिली है, उन्हें शीघ्र ही दुरुस्त कराया जाए, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों को सरकार की मंशा के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। इसके अलावा उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 उपाध्यक्ष ने आईटीआई स्थित वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं, भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।साथ ही साथ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने बाल गृह (बालिका) चक धरौरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाल गृह में रह रहे बच्चों की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान 54 बालिकाएं आवासित पाई गई। उपाध्यक्ष ने बाल गृह में रह रहे बच्चों से बातचीत की और उनसे बाल ग्रह में मिल रही सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने बाल गृह के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को बेहतर सुविधाएं और शिक्षा प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। बच्चों को समय पर भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उनकी सुरक्षा और कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। बच्चों के मनोरंजन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक गतिविधियों का आयोजन किया जाए।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध

दिवस के अवसर पर जनपद में 12 से 17 जून तक बाल श्रम निषेध सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। आज विशाखा इन्डस्ट्रीज, बछरावां रायबरेली में गोष्ठी का आयोजन मिलिन्द्र द्विवेदी, सदस्य बाल कल्याण समिति रायबरेली की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।गोष्ठी में सभी अगंतुको का श्रम प्रवर्तन अधिकारी रायबरेली राकेश कुमार पाल द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बाल श्रम समाज के लिए एक अभिशाप है जिसे जनपद रायबरेली से हटाया जाना आवश्यक है तथा सरकार की मंशा के अनुरूप वर्ष 2027 तक प्रदेश सहित जनपद रायबरेली को मुक्त कराया जाना आवश्यक है, जिसके लिए गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। विशाखा इन्ट्रस्ट्रीज के वर्क मैनेजर अनिल मिश्रा ने कहा कि बच्चे भारत का भविष्य है आगामी 20 वर्षों में भारत के आग्रणी भूमिका के लिए बाल श्रम को समाप्त किया जाना अवाश्यक है, तथा इसके लिए अपने कर्मचारियों से आस-पास के लोगों को जागरूक करने का आवहन किया गया। सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वर्णकार द्वारा अपने उद्बोधन में सभी से आवहन किया गया कि बाल श्रम एक समाजिक समस्या है जिसका उन्मूलन जागरूकता के माध्यम से ही किया जा सकता है। उन्होंने अवगत कराया कि श्रम विभाग इस संबंध में जागरूकता लाने में प्रयास करता रहा है तथा बाल श्रम कराने गले सेवा याजको के विरुध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं वियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत प्राभियोजन एवं अन्य विधिक कार्यवाही भी कर रहा है। उन्होने सभी से आवहन किया कि जहा पर भी बाल श्रमिक कार्य करते पाए ऐसे सवायोजको स यथा संभव बाल श्रम न कराने के लिए प्रेरित करें।जिला विधिक प्राधिकरण के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम 6 से 14 वर्ष के बच्चे की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था भारत सरकार द्वारा की गयी है इस आयु वर्ग के बच्चों को शिक्षा मिल सके साथा बाल श्रम से दूर रहे। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सुश्री संगीता मिश्रा द्वारा रायबरेली को बाल श्रम मुक्त करने के लिए से अनुरोध किया गया।

प्रबुद्ध जनों के साथ जनकल्याणी योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली।उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जिला पंचायत भवन सभागार में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा,सुशासन, गरीब कल्याण प्रदर्शनी का उद्घाटन कर, प्रबुद्ध जनों के साथ जन कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने सीमा सुरक्षित की,अर्थव्यवस्था मजबूत की और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया। ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्यवाही ने संदेश दिया कि आतंकवाद किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है। निर्णायक नीति, सुरक्षा बलों की सशक्त कार्रवाई से आज भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। ई-गवर्नेंस प्रणाली ने पारदर्शिता, समयबद्धता, जवाबदेही एवं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की शुरूआत से भ्रष्टाचार पर रोक लगी है।अंतरिक्ष अभियानों में भारत ने बड़े आयाम स्थापित किए हैं। अब भारत अपनी सेवाएं अन्य देशों को भी दे रहा है। राजमार्गों के निर्माण में तीन प्रतिदिन प्रगति हो रही। लोगों को सरल,सुविधाजनक और सुरक्षित सेवाएं उपलब्ध हो रही। देश के अन्नदाता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पटरी विक्रेताओं के लिए स्वनिधि योजना, ग्रामीण माताओं-बहनों के लिए उज्ज्वला योजना, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान कार्ड जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन को मिल रही हैं।

विश्व कल्याण हेतु निकाली गई कलश यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) महामण्डलेश्वर विश्व की द्वितीय

सोनभद्र। विश्व कल्याण हेतु विगत वर्षो की भाँत इस वर्ष भी अष्टसिद्ध संकट मोचन बाल हनुमान जी के प्रांगण भटपुरवां भवानीगांव रेटीकला मे नवदिवसीय श्रीरामचरित मानस यज्ञ एवं श्रीराम कथा हेतु निकली कलश यात्रा यज्ञ 13 जून 2025 से आरम्भ हो 21 जून 2025 को पूर्णाहुति भण्डारे हवन दक्षिणा के साथ पूर्ण होगी। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से पुजन पाठ फेरी परिक्रमा व शांम 6 बजे से 10 बजे तक काशी से पधारे पूज्य संत दामोदराचार्य महाराज व धाम वृंदावन से पूज्य किन्नर कथावाचक हेमलता सखी के मुखारबिन्द से श्रीराम कथावाचन होगा। इस अवसर पर 21 कलश कन्याओं के साथ गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश चौबे, पूज्य संत स्वामी ध्यानानंद महाराज, मौनी बाबा नागा प्रयाग गिरी महाराज , संत भोले बाबा, साधू राजेन्द्र दास, साधू दिनानाथ, संस्कृति विद्यालय के प्रधानाचार्य दयाशंकर देव पाण्डेय, राहुल सिंह, बचऊ मिश्रा, नथुनी सिंह जितेन्द्र सिंह, शिब्बू सिंह श्यामू मिश्र, प्रशांत मिश्र भोला गुप्ता रामसुरत मौर्या सहित सैकडों भक्तो ने भाग लिया।

सीडीओ को पौधा देखकर पर्यावरण को दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पर्यावरण संरक्षण

जागरूकता अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को विकास भवन में पर्यावरण बैंक की टीम ने मुख्य विकास अधिकारी संगृहीत अवस्थी से मुलाकात कर उनके मार्गनिर्देशन में विकास भवन में कार्यरत सभी कर्मचारियों से मिलकर पर्यावरण संरक्षण हेतू जागरूक कर एक अपील किया गया कि प्रकृति के लिए सभी लोग प्रति वर्ष एक पेड़ लगाए और उसे जरूर बचाए ! मुख्य विकास अधिकारी ने भी सभी से जुलाई माह से चलने वाले वृहद पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने और उसे प्रकृति के साथ साथ मानव हित के लिए संरक्षित करने पर विशेष ध्यान देने को भविष्य की जरूरत बताया ! इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह , जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण , अनुपम त्रिपाठी, क्रांति सिंह, राजा राम दुबे, अभिषेक मिश्रा देवानंद पाठक, बृजेश श्रीवास्तव, परमानंद ,मनोज पांडेय, सलाउद्दीन,वीरेंद्र , राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनपद के मेधावी छात्र/छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल, टैबलेट व चेक देकर किया गया सम्मानित

विधायक व डीएम ने मेधावी छात्र/छात्राओं को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता मे मेधावी छात्र/छात्राओं को टैबलेट एवं चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ में किया गया, जिसमें माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज की हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2025 के मेधावी छात्र/छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल, टैबलेट एवं चेक वितरित कर सम्मानित किया गया, इसी क्रम में जनपद में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में जनपद के मेधावी छात्र/छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल, टैबलेट व रुपए 21 हजार के डमी चेक वितरित किये गये, धनराशि छात्र/छात्राओं के खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर की गई।जनपद में आयोजित कार्यक्रम में, लखनऊ में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 के जनपद के 10-10 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, टैबलेट व डमी चेक देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार ने कहा कि आज जिन मेधावी विद्यार्थियों को यहां पर सम्मानित किया गया है उन्होंने अपना, अपने माता-पिता अपने विद्यालय व अपने शिक्षकों के साथ जनपद का भी गौरव व मान बढ़ाया है, इन सभी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनायें। उन्होंने कहा कि यदि पहले की तुलना की जाये तो पहले विद्यालयों में संशाधनों का अभाव था,लेकिन वर्तमान समय में विद्यालयों में संसाधन उपलब्ध है, स्मार्ट क्लासेज है, जिसमें विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। कड़ी मेहनत ही आपको आपके मुकाम तक ले जायेगी, इसलिए सभी विद्यार्थी कड़ी मेहनत कर आगे बढ़े,कभी भी शार्ट कट का रास्ता न अपनाये, इसके पश्चात आप जिस क्षेत्र में भी अपनी सेवा दे वहां पर सेवा भाव से कार्य कर समाज में अपना महत्वपूर्ण योजदान दें।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि जनपद के लिए भी गर्व की बात है।

विमान हादसे को लेकर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने की शोक सभा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) का आर्थिक मदत किया जाये. महिला

सोनभद्र। अहमदाबाद में हुए दुःखद विमान हादसे को लेकर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अध्यक्षता मे हादसे मे मृत यात्रियों की आत्मा की शांति हेतु मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गईत जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की अहमदाबाद विमान मे 242 लोग सवार थे, हादसे मे 241 लोगों की मौत हो गई इस घटना से हर ब्यक्ति दुखी है इतना बड़ा हादसा था की सब लोग झूलस गए.इस हादसे मे गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी की भी मौत हो गई. केंद्र और राज्य सरकार से विमान हादसे मे मृतक के परिवार जनों को पाँच-पाँच करोड कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे ने इस विमान हादसा पर दुख जताते हुए कहा की विमान से लंदन के लिए रवाना हुए यात्रियों की दर्दनाक मौत से हर तरफ शोक की लहर हैत केंद्र सरकार से विमान हादसे की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है. कॉंग्रेस के पूर्व प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने शोक प्रकट करते हुए कहा की इस घटना से हर ब्यक्ति हतप्रभ है सरकार उनकी आर्थिक मदद कर इस दुख की घडी मे सहयोग प्रदान करेत्उक्त मौके पर जय प्रकाश, बसावन गुप्ता, राजू कन्नोजिया, शंकर कन्नोजिया, फूल सिंह, शम्भु, बंगाली, चदंन, गुलाबी, अर्चना पासवान आदि लोग शामिल रह.

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन वेलफेयर ट्रस्ट ने अजीवन सदस्यता एवम् अन्य विषयों पर बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन बीमा जीवन बीमा व पेंशन योजना की भी रूपरेखा इस ट्रस्ट में की गई की गई है तथा मुख्य रूप से न्यास के सदस्यों की मृत्यु तथा दुर्घटना होने पर

वेलफेयर ट्रस्ट सोनभद्र की डी बी ए सभागार में अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में शुक्रवार को संचालन ट्रस्ट के सचिव पवन कुमार सिंह एड ने किया ! जिसमें ट्रस्ट में वकालतनामा,कूपन, सदस्यता फार्म पर गहन विचार विमर्श किया गया! ट्रस्ट के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि न्यास मुख्य रूप से न्यास के सदस्यों की आर्थिक, बौद्धिक एवं सामाजिक स्तर में वृद्धि एवं विधि व्यवसाय में गुणात्मक विकास के लिए बिना हानि लाभ के ट्रस्ट की स्थापना है!महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एड बताया कि अधिवक्ताओ के कल्याण हेतु डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन वेलफेयर ट्रस्ट सोनभद्र का सभी प्रारूप तैयार कर अंतिम रूप दिया जा रहा है ! प्रयास है की जुलाई तक ट्रस्ट के सारे कार्य को लागू किया जाए! पूर्व अध्यक्ष श्यामबिहारी यादव एड ने कहा कि न्यास के सदस्यों की आर्थिक, बौद्धिक एवं सामाजिक स्तर में वृद्धि एवं विधि व्यवसाय में गुणात्मक विकास के लिए बिना हानि लाभ के ट्रस्ट की स्थापना करना है ! तथा सदस्यों का स्वास्थ्य उनके आश्रितों को आर्थिक मदद करना है ! तथा सदस्यों का स्वास्थ्य बीमा जीवन बीमा व पेंशन योजना की भी रूपरेखा इस ट्रस्ट में की गई है.इस अवसर पर राजेश कुमार यादव व राजेश कुमार मौर्य, रमेशचंद्र सिंह, वी पी सिंह, सुरेश कुशवाहा,कामता प्रसाद यादव, वीरेन्द्र कुमार राव, सरिता भास्कर, चर्तुभुज शर्मा, दसरथ यादव, अविनाश यादव रवींद्र पटेल, विनीता, सरस्वती देवी, मो याकूब, अवदेश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे.

ग्राम समाज की भूमि पर दबंगों का कब्जा,कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन व संबंधित लेखपाल मौके पर जाकर

/ सोनभद्र। ओबरा तहसील क्षेत्र के कोन अन्तर्गत राजस्व ग्राम पंचायत कुड़वा टोला - तुमिया चौराहे पर ग्राम समाज की जमीनों पर गाँव के कुछ कथित दबंगों द्वारा अति क्रमण कर घर बनाने का क्रम जारी है जिसकी शिकायत स्थानीय निवासी गंगा यादव, वीरेंद्र नाथ, अयोध्या, मानसिंह, सुखनाथ नंदलाल, राजकुमार, संजय मुकेश, शिवदास आदि ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि ग्राम समाज की भूमि तत्काल खाली कराया जाय और उन्होंने पंजीकृत पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी ओबरा के कार्यालय के साथ थाना कोन को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। इसी क्रम में बतातें चलें कि ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन पर दबंगों द्वारा लगातार अतिक्रमण कर घर बनाया जा रहा है जिसके क्रम में स्थानीय लोगों द्वारा संबंधित थाना , पुलिस हेल्प लाइन नम्बर, के साथ साथ राजस्व विभाग को सेल फोन पर अवगत कराया जा चुका है जिसकी जाँच के क्रम में राजस्व निरीक्षक कोन जाँच करते हुए विपक्षी को निर्माण कार्य न करने के निर्देश दिए गए फिर भी दबंगों द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया है। जिसके बावत राजस्व निरीक्षक कोन ने सेल फोन पर बताया कि संबंधित व्यक्ति को कार्य न करने की हिदायत दी गई है अगर निर्माण कार्य चल रहा है उसके खिलाफ़ कठोर कार्रवाई की जायेगी।गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कुड़वा खाता संख्या 0934, गाटा संख्या 819 में कुछ दबंगों ने कब्जा कर रखा है और वहीं निर्माण कार्य जारी है। जिसे स्थानीय प्रशासन द्वारा रोकने की पूरी कोशिश की जा रही हैं। देखना अब दिलचस्प होगा कि मकान धाराशायी होगा या सरकारी फाईलों में दबकर रह जायेगा । इसी क्रम में बतातें चलें कि क्षेत्रों में वन विभाग की जमीन का मामला हो या ग्राम समाज की भूमि कब्जा करना कोई नई बात नहीं है। बतादें कि माह अगस्त वर्ष 2019 में भी इसी तरह का मामला सुर्खियों में आया था। जिसके बाद संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन ने दबंगों के मंसूबों को ध्वस्त कर दिया था।

आदर्श पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित हुआ निः शुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) श्री मती वर्षा गुप्ता सुषमा गुप्ता विनीता जानकारी प्रदान किया गया ।कार्यक्रम

सोनभद्र। आदर्श पब्लिक स्कूल के प्रांगण में निः शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर केशरवानी महिला सभा द्वारा केशरवानी नगर सभा के संरक्षण में जिला आयूष अधिकारी के सहयोग से आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय विधायक शरद जुगलाल कोल जी माननीय नगर परिषद अध्यक्ष श्री कृष्ण गुप्ता राजन जी केशरी कल्याण समिति अध्यक्ष लाल जी गुप्ता जी जयप्रकाश सच्चा जी मनोज केशरवानी जी अनिल गुप्ता जी हरबक्स राय आडवाणी जी के आतिथ्य में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । नगर सभा अध्यक्ष श्री चंद्रसेन गुप्ता जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।स्वागत भाषण महिला सभा अध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन की जिला प्रभारी श्री मती राजकुमारी गुप्ता जी ने दिया ।अतिथियों का स्वागत कन्हिया लाल गुप्ता ओमप्रकाश गुप्ता मैथिली शरण गुप्ता महिला सभा से गुप्ता अंजुला गुप्ता द्वारा पुष्प माला वा चंदन टीका लगाकर किया गया । डॉक्टर टीम श्री मती संध्या मिश्रा काजल गुप्ता मनोज शुक्ला घनश्याम धुर्वे वा सहयोगी स्टाफ का स्वागत विनय गुप्ता सुनील गुप्ता अशोक गुप्ता महिला सभा से रीता गुप्ता अंजना गुप्ता नीलू गुप्ता रिंकी गुप्ता सुलोचना गुप्ता द्वारा किया गया । डॉक्टर टीम द्वारा 245 मरीजों का निः शुल्क शुगर हिमोग्लोबिन बीपी की जांच कर औषधियों का वितरण किया गया साथ ही सर्वाइकल गठिया जोड़ो का दर्द महिलाओ की समस्या माइग्रेन आदि विभिन्न रोग का उपचार कर ओषधियां दी गई। माननीय विधायक महोदय जी ने कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर महिला सभा को हार्दिक बधाई देते हुए नगर में स्वास्थ समस्या के निदान के लिए हर संभव मदद एवं प्रयास करने की बात कही। योग प्रशिक्षक द्वारा मातृ शक्तियों को योगा का प्रशिक्षण देकर योग के विषय में को सफल रोचक बनाने में वैश्य महासम्मेलन जिला महिला इकाई से निवेदिता गुप्ता रामा गुप्ता आरती गुप्ता रंजना गुप्ता राजकुमारी गुप्ता भारत विकास परिषद से इन. नीरज गुप्ता मोनू जैन रोशन नागपाल केशरी नंदन सेवा समिति से पंकज गुप्ता गिरधारी लाल बजाज कामता सोनी विक्रमा गुप्ता रूपेश राजू ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग प्रदान किया। डॉक्टर टीम वा सहयोगियो का सम्मान शिविर के सफल समापन के बाद श्री राजेश गुप्ता वा जवाहर गुप्ता के द्वारा प्रदीप गुप्ता प्रमोद गुप्ता के सहयोग से किया गया । केशरवानी महिला सभा और वैश्य महासम्मेलन जिला महिला इकाई की 100 से ज्यादा मातृ शक्तियों ने कार्यक्रम में सेवा भावना के साथ उपस्थित होकर एक मिशाल कायम करी सभी मातृ शक्तियों का आयोजक की तरफ से बहुत बहुत धन्यवाद । समस्त सहयोगियो का आभार व्यक्त कर शिविर को समाप्त किया गया ।

श्री गुरु हरगोबिन्द जी का प्रकाश पर्व मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) निपूर्ण थे। 11 वर्ष की अवस्था में ही आदेश दिया, गुरुजी उन राजाओं

सोनभद्र। श्री गुरु हरगोबिन्द सिंह का जन्मोत्सव प्रकाश पर्व स्थानीय गुरुद्वारा में बड़े धूमधाम से मनाया गया। श्री अखंड पाठ की समाप्ति के बाद भाई बिशन सिंह, सुरजन सिंह व दया सिंह के व्दारा भजन कीर्तन का गायन किया गया।गुरु जी का जन्म बडाली, अमृतसर में हुआ, बचपन से ही वीरता भरी हुई थी।मार्शल आर्ट व तलवार बाजी में गुरु गद्दी पर विराजमान हुए। अपने दो तलवारे धारण की, जिसे मीरी पीरी का नाम दिया गया, एक तलवार धार्मिक व एक सांसारिक मसलों के लिए। जहांगीर में इनके यश को सुनकर इनको ग्वालियर के किले में कैद कर दिया,जहां 52 अन्य राजे भी कैद थे। बाद में जहांगीर को जल्दी ही अपनी गलती का एहसास हुआ और और उसने छोड़ने का को भी कैद से छुड़ाकर बाहर आए। इसीलिए इनका बंदी छोड़ दाता भी कहा गया।कार्यक्रम के समाप्ति के उपरांत प्रसाद व लंगर का वितरण हुआ। इसमें बेसन की रोटी और दही की लस्सी भी संगत को पिलाई गई।सफल बनाने के लिए जसबीर सिंह, रनजीत सिंह, दया सिंह, चरन जीत सिंह, मनजीत सिंह, त्रिलोक सिंह, संतोष सिंह प्रभजोत सिंह आदि ने सहयोग किया।

सपा ने लगाया पीडीए जन पंचायत,की सभा

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी का विधानसभा रावटसगंज में बैठक की गई एवं पीडीए जन पंचायत लगाया गया जिसकी अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विजय शंकर जायसवाल ने किया और संचालन विधानसभा महासचिव सुरेंद्र यादव ने किया बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने कहा कि हम

सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि पीडीए पंचायत के माध्यम से हर गांव में जाकर पडीए पंचायत लगाकर ग्रामीण जनता को जागरूक करें और समाजवादी पार्टी के नीतियों को पहुंचने का काम करें इसी के साथ आगामी चुनाव को देखते हुए मतदाता सूची में नए मतदाताओं को जोड़ने का काम करें और फर्जी मतदाताओं का नाम कटवाने का काम करें। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष विजय यादव,अंकित सिंह, कृपा शंकर चौहान दीपक कुमार सहित आदि लोग मौजूद रहे ।

ओबरा पुलिस द्वारा शातिर अपराधी जयमंगल का कराया गया जिला बदर का आदेश

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक

के अनुपालन में अभियुक्त जयमंगल उपरोक्त के पर घर जाकर आदेश की एक प्रति पढ़कर सुनाकर व प्राप्त कराते हुए एक सप्ताह के भीतर जनपद सोनभद्र की सीमाओ के बाहर जाकर निवास करने एवं इस अविधि में निवास स्थान की सूचना वहां के सम्बन्धित थाने एवं थाना ओबरा को निवास करने के स्थान के बारे में अवगत कराने की हिदायद की गयी। नाम पता जिला बदर अपराधी- 1- जयमंगल पुत्र स्व0 जगदेव निवासी सेक्टर 8 वार्ड नं0-17 ओबरा कालोनी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष। जिला बदर अपराधी का आपराधिक इतिहास- 1- मु0अ0सं0-111/2023 धारा 147,149,307,504,506 भादवि व 3(1)द 3(1)ध 3(2)5क एससी/एसटी एक्ट थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 2- मु0अ0सं0-164/2021 धारा 323 504 506 भादवि थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 3- मु0अ0सं0-89/21 धारा 323 504 506 भादवि थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।

आदेश का अनुपालन कराने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1-प्रभारी निरीक्षक ओबरा राजेश कुमार सिंह थाना ओबरा सोनभद्र, का0 अनुराग तिवारी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 12.06.2025 को थाना ओबरा पुलिस द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ शातिर अपराधी जयमंगल पुत्र स्व0 जगदेव निवासी सेक्टर 8 वार्ड नं0-17 ओबरा कॉलोनी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष को श्रीमान जिलाधिकारी महोदय सोनभद्र द्वारा उ0प्र0 गुण्डा नियत्रंण अधिनियम की धारा 3(1) के तहत कार्यवाही करते हुए 06 माह तक के लिए किए गये जिला बदर के आदेश

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) योजना, निराश्रित महिला पेंशन

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 12.06.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, दो नफर पशु तस्करों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 04 राशि गोवंश बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 625/2025 धारा 3/5ए/5बी/8

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के कुशल निर्देशन में जनपद में गोवंश तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा पर दिनांक 11.06.2025 की रात्रि समय करीब लगभग 23.25 बजे मुखबिर की सूचना ग्राम गौरही के जंगल/खेतों से 04 राशि गोवंश बरामद कर मौके से 02 अभियुक्तगण क्रमशः प्रेम पुत्र स्व0 बालरूप उम्र करीब 57 वर्ष 2. रामध्यान पुत्र स्व0 छेदी उम्र 47 वर्ष निवासीगण ग्राम जरहर थाना चकरघट्टा जनपद चन्दौली को गिरफ्तार कर लिया गया।

उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 गोवध निवारण अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 1.प्रेम पुत्र स्व0 बालरूप निवासी ग्राम जरहर थाना चकरघट्टा जनपद चन्दौली उम्र 57 वर्ष। 2.रामध्यान पुत्र स्व0 छेदी निवासी ग्राम जरहर थाना चकरघट्टा जनपद चन्दौली उम्र 47 वर्ष। बरामदगी का विवरणः- 04 राशि गोवंश।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली टीम का विवरण- 1.उ0नि0 बृजेश कुमार पाण्डेय चौकी प्रभारी सुवृक्त थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।2.का0 मन्टू कुमार सिंह चौकी सुवृक्त थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 3.का0 सुनील कुमार चौकी सुवृक्त थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।4.का0 राहुल सरोज चौकी सुवृक्त थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट-सुशांत केस में हत्या के सबूत नहीं:रिया के वकील बोले- झूठी कहानियां बनाई गईं, परिवार चुप रहकर सब सहता रहा

नयी दिल्ली। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है। सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमय तरीके से मृत पाए गए थे। मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंपा गया। अब सीबीआई की आखिरी रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती को 27 दिन जेल में रहना पड़ा था। सीबीआई की तरफ से फाइनल रिपोर्ट सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मानेशिंदे ने बयान जारी कर कहा कि इस मामले में कई झूठी कहानियां बनाई गईं। इसके बावजूद रिया और उनका परिवार चुप रहकर सब सहता रहा।सुशांत के पिता केके सिंह की रिया चक्रवर्ती के खिलाफ शिकायत, जिसमें आत्महत्या के लिए उकसाने, धोखाधड़ी और पैसों के हेरफेर के

आरोप लगाए गए थे। रिया चक्रवर्ती की शिकायत, जिसमें उन्होंने सुशांत के परिवार पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।कुछ दिन पहले ही 8 जून 2020 को उनकी मैनेजर दिशा सालियान की मौत मुंबई के मालाड स्थित बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई थी। ये दोनों ही मौत संदिग्ध मानी गई थी। इसके बाद पिता सतीश सालियान ने आरोप लगाया कि दिशा की गैंगरेप के बाद हत्या की गई थी। लेकिन राजनीतिक दबाव में मामले को दबा दिया गया। शुरुआत में, दिशा के पिता को मुंबई पुलिस की जांच पर भरोसा था, लेकिन बाद में उन्हें लगा कि यह केवल एक 'कवर-अप' ऑपरेशन था। इसके बाद 20 मार्च 2025 को सतीश सालियान ने बेटी की मौत की नए सिरे से जांच को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है।

क्या ये कोई बदला है:: बेटी-नातिन संग एक बेड पर सोई थी रति, नाग-नागिन ने उसे ही क्यों काटा? तड़प-तड़पकर गई जान

लखनऊ। यूपी के ललितपुर स्थित जखौरा थाना अंतर्गत पिपरा के कंचनपुरा गांव में शनिवार की सुबह महिला को हाथ में नाग-नागिन ने काट लिया, जिससे महिला की हालत बिगड़ते देख परिजन सुबह साढ़े छह बजे जखौरा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने महिला की हालत गंभीर होते देख ललितपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। प्राथमिक परीक्षण के उपरांत चिकित्सीय टीम ने महिला को मृत घोषित कर दिया।मृतक महिला पुत्री सोनम पत्नी लखन निवासी कंचनपुरा ने बताया कि मेरी मां रती (उम्र 55 वर्ष) मेरी ससुराल पिपरा कंचनपुरा में मेरे पास तीन चार साल से रह रही थी। हम लोग शनिवार को एक ही बिस्तर पर मैं और मेरी बच्ची व मेरी मां रती तीनों लोग सो रहे थे। सुबह पांच बजे मेरी मां ने बताया कि मुझे किसी ने काट लिया जब सोनम ने आस-पास देखा तो पलंग के सिरहाने नाग और नागिन बैठे हुए थे। सोनम

ने जब अपनी मां को देखा तो उसके हाथ में दो जगह सांप के काटने के निशान बने हुए थे। सोनम ने तत्काल अपनी मां को झाड़-फूंक के लिए पास के ही गांव रायपुर के मंदिर ले गई और वहां झाड़-फूंक कराने के बाद सुबह साढ़े छह बजे समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखौरा उपचार के लिए ले गई। जहां महिला की हालत गंभीर होते देख डॉक्टरों ने ललितपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां प्राथमिक परीक्षण के उपरांत चिकित्सीय टीम ने महिला को मृत घोषित कर दिया।सोनम ने यह भी बताया कि नाग-नागिन की दहशत से मोहल्ले वाले मेरी मदद को नहीं पहुंच सके क्योंकि नागिन उछल-उछल कर इधर से उधर भाग रही थी। जिससे लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। सोनम एम्बुलेंस से अपनी मृतक मां को बीना बारद्याय मध्यप्रदेश भाइयों के पास ले गई।

मामी बनी माशूका,पति कर रहा दिल्ली में मजदूरी, गांव में भांजा पत्नी को ले गया भगा; जाते-जाते दे गया एक और चोट

नयी दिल्ली। यूपी के बदायूं स्थित उघैती में मामा की गैर मौजूदगी में भांजे का मामी से प्रेम हो गया। वह मामी को लेकर चला गया। सूचना मिलने पर मामा घर पहुंचा और भांजे के खिलाफ थाना पुलिस को तहरीर दी है।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया है कि वह दिल्ली में कबाड़ का काम करता है। वह दिल्ली में था तो 10 जून को पत्नी ने फोन करके बताया कि वह दवा लेने के लिए बिसौली जा रही है।

देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो फोन से संपर्क किया लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद आया।11 जून को वह घर आया तो पता लगा कि पत्नी को भांजा बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। घर में देखा तो 30 हजार की नकदी व जेवरात भी वह अपने साथ ले गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में फंदे पर लटके मिले मां और दो बच्चे:दोनों बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे; डिंडौरी में बाजार से लौटे पिता ने शवों को उतारा

डिंडौरी। डिंडौरी में एक घर में मां और दो बच्चों के शव फंदे पर लटके मिले। पिता जब घर लौटे तब पता चला। बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे। पिता ने उन्हें नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घर सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मेहदवानी थाना क्षेत्र के कुम्हारिन टोला में शुक्रवार रात की है। राजेंद्र प्रजापति गांव में फुल्की चाट का ठेला लगाता है। रात करीब 8 बजे जब वह काम से लौटा तो घर में टीवी चल रहा था। रोज की तरह सब कुछ सामान्य लग रहा था। कमरे में देखा तो पत्नी मधु प्रजापति (35), बेटी शिवानी (12) और बेटा आदित्य (10) फंदे पर झूल रहे थे। पुलिस को सूचना दी गई। एसआई सुनील पटेल ने बताया, एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वाड को जांच के लिए बुलाया गया है। घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। एसपी वाहिनी सिंह और एसडीओपी मुकेश अविंदा मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस कुछ परिजन को अपने साथ थाने ले गई, यहां एसपी उनसे मामले को लेकर जानकारी ले रही हैं।पुलिस के मुताबिक, महिला की

मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे तक महिला को खुद की समोसा-मंगौड़े की दुकान पर देखा गया था। उसके बाद वो घर चली गई। रात को जब पति घर पहुंचा, तो उसने देखा कि तीनों फंदे पर लटके थे। उसने पड़ोसियों को जानकारी दी। इसके बाद करीब 9 बजे थाने पहुंचकर पुलिस में सूचना दी।महिला के पति राजेंद्र प्रजापति का कहना है कि 2011 में सम्मेलन में हम दोनों की शादी हुई थी। मैं ठेला लगाता हूं। कुछ दिनों से पत्नी कह रही थी नींद नहीं आती है, हाथ पैर में दर्द रहता है। कई बार इलाज भी करवाया, लेकिन उसकी बीमारी बनी रहती थी। कभी-कभी मैं ही पत्नी को बोल देता था, तुम मेरे को परेशान कर रही हो। कहीं चला जाऊंगा। शुक्रवार सुबह से काम पर चला गया। पत्नी ने भी दुकान आकर समोसे का मसाला तैयार करवाया था। मैं दोपहर लगभग ढाई बजे घर आया, गेट से दोनों बच्चों को देखकर दुकान चला गया। रात को घर आया तो दरवाजा खटखटाया, नहीं खुला तो मैंने पड़ोसियों को आवाज लगाई। इसके बाद तोड़कर अंदर घुस गया। तीनों लटक रहे थे, बच्चों के हाथ पैर बंधे थे। मैंने उतारा, शायद कोई तो बच जाए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

50 साल से कम नहीं हुआ हीमोग्लोबिन, बाबा रामदेव ने बताया खून बढ़ाने का देसी नुस्खा, दो हफ्ते में 17 होगा लेवल

नयी दिल्ली। शरीर में खून की कमी से ताकत खत्म हो जाती है। इसलिए हीमोग्लोबिन को कभी कम ना होने दें। अगर इसका लेवल 13 से नीचे है तो तुरंत बाबा रामदेव का देसी उपाय करने लगें। यह 7 दिन से 14 दिन के अंदर खून की कमी खत्म कर देगा।हर पल हमारे शरीर में कई लीटर खून दौड़ रहा है। यह हमें जिंदा रखने के साथ ताकत देता है। सारे विटामिन-मिनरल इसमें घूमकर ही सारे अंगों तक पहुंचते हैं। यह पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है, जिसके लिए खून की लाल रक्त कोशिकाएं में मौजूद हीमोग्लोबिन काम करता है। हीमोग्लोबिन एक आयरन से भरपूर प्रोटीन है। यह कार्बन डाइऑक्साइड को इकट्ठा करके फेफड़ों तक भी पहुंचाता है ताकि गंदी गैस बाहर निकल जाए। हीमोग्लोबिन की कमी शरीर के लिए काफी नुकसानदायक है। इसकी वजह से शरीर में कमजोरी, थकान, एनर्जी की कमी हो सकती है। योग गुरु बाबा रामदेव ने हीमोग्लोबिन बढ़ाने का एक जबरदस्त फॉर्मूला बताया है। उनका दावा है कि इस देसी नुस्खे को पीने के बाद केवल 14 दिनों में हीमोग्लोबिन बढ़ जाएगा। आइए पहले हीमोग्लोबिन की कमी से होने वाली दिक्कतों के बारे में जानते हैं।क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, पुरुषों में हीमोग्लोबिन का लेवल 13 gm/dL या उससे नीचे कम माना जाता है और महिलाओं में यह स्तर 12 gm/dL है। इसकी वजह से एनीमिया यानी खून की कमी होती है, जो कि थकान, सीने में दर्द, तेज धड़कन, सिरदर्द, शरीर पीला पड़ना, बार बार इंफेक्शन होना, सांस फूलना जैसी दिक्कतें बढ़ाती है।बाबा रामदेव ने बताया कि 50 प्रतिशत लोगों को हीमोग्लोबिन की कमी रहती है। इस समस्या को बहुत जल्दी खत्म किया जा सकता है। उनका दावा है कि इस जूस को पीने से दो सप्ताह में 7 से 14 मोग्लोबिन कर सकते हैं। इसे पीने से पूरे दिन एनर्जेटिक रहेंगे और साथ में विटामिन सी व विटामिन

बी मिलेगा।खून बढ़ाने के लिए जूस कैसे बनाएं?इस उपाय को बनाने के लिए अनार, गाजर और चुकंदर चाहिए। दो गाजर, आधा चुकंदर और आधा अनार ले सकते हैं। मात्रा को अपने हिसाब से बदल सकते हैं। एक मिक्सर में इन चीजों को एक-एक करके डालें। फिर मिक्सर में अदरक का छोटा सा टुकड़ा डाल दें। इसके बाद दो छोटे-छोटे पीस आंवला के डालें। खून बढ़ाने वाला जूस बनकर तैयार हो गया।योग गुरु रामदेव ने बताया कि हीमोग्लोबिन बढ़ाकर पूरे दिनभर की एनर्जी के लिए इस जूस को सुबह-सुबह खाली पेट पी लीजिए। पिछले 50 सालों से उन्होंने 17 हीमोग्लोबिन मेंटेन किया है। उनकी तरह आपका भी हीमोग्लोबिन जीवनभर मेंटेन रहेगा। इस फायदे के अलावा गाजर, चुकंदर और अनार एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। जो नसों के लिए बहुत काम की चीज है। इससे नसों को रिलैक्स कर सकते हैं और हाई बीपी से छुटकारा मिल सकता है। यह शरीर व मसल्स की रिकवरी में भी मदद कर सकता है। डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

यूपीः सीएम से मिलने की आस में अड़े टीईटी पास शिक्षा मित्रों ने त्यागा भोजन, 19 दिन से लगातार दे रहे हैं धरना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की आस लगाए टीईटी पास शिक्षा मित्रों ने शनिवार को एक दिन का भोजन त्याग कर प्रदर्शन किया। शिक्षा मित्र स्थाई किए जाने की मांग के लिए बीते 19 दिन से भीषण गर्मी में ईको गार्डेन में धरना दे रहे हैं।शिक्षक/शिक्षामित्र उत्थान समिति के बैनर तले टीईटी पास शिक्षा मित्र बीती 27 मई से झुलसती गर्मी में ईको गार्डेन में धरना दे रहे हैं। मांगों पर कोई सुनवाई न होने से नाराज 11 शिक्षा मित्रों ने एक दिन का भोजन त्याग कर मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने की मांग की।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुडडू सिंह ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि 10 हजार रुपये मानदेय में परिवार की रोटी चला पाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि इतना कम मानदेय भी साल में सिर्फ 11 महीना ही दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरह उत्तर प्रदेश के शिक्षा मित्रों को भी स्थाई किया जाए। उन्होंने विभिन्न जिलों से तपती गर्मी शिक्षा मित्र बहनें धरना देकर मुख्यमंत्री रो-रो कर न्याय की गुहार लगा रही हैं। उन्होंने सीएम से गुहार लगाते हुए कहा कि आज 19 दिन हो गए हैं अब आप हमें बुलाकर हमारी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करने की कृपा करें।

जल्द मिलने वाली है भीषण गर्मी से निजात तपन होगी कम... बारिश दिलाएगी राहत

लखनऊ।उत्तर प्रदेश में गर्मी और तपिश से जनजीवन बेहाल है। लोग बिना जरूरत दोपहर के समय घर से बाहर निकलने में भी झिझक रहे हैं। सबकी निगाहें आसमान की ओर टकटकी लगाकर बारिश का इंतजार कर रही हैं। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 17 से पूर्वी और 19 से पश्चिमी यूपी में बारिश होने के आसार हैं। रविवार से अगले पांच दिन तक प्रदेश में लू की कोई चेतावनी नहीं है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मध्य क्षोभ मंडल में आ रहे पश्चिमी विक्षोभ और निचले क्षोभ मंडल में राजस्थान से मराठवाड़ा तक विस्तृत द्रोणी के प्रभाव से प्रदेश में पुरवा हवाओं का आवेग बढ़ा है। इसकी वजह कोई प्रभावी मौसम तंत्र न होने के बावजूद प्रदेश में शुरू हुई छिटपुट वर्षा की गतिविधियों में 15 जून से बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही 17 जून से पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 19 जून से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना है।मौसम वैज्ञानिक ने आगे बताया कि 13 जून को बुंदेलखंड के आसपास के इलाकों के अतिरिक्त प्रदेश के

अन्य क्षेत्रों के तापमान में गिरावट दर्ज हुई। इस वजह से आगरा और मैनपुरी को छोड़कर प्रदेश के अन्य स्थानों पर तकनीकी दृष्टि से लू की स्थिति दर्ज नहीं की गई। लेकिन, उच्च आर्द्रता स्तर के दृष्टिगत अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से प्रभावी रूप से ऊपर बने रहने के कारण बढ़े हुए ताप सूचकांक के प्रभाव से तराई इलाकों को छोड़कर अन्य स्थानों पर पड़ रही उमस भरी गर्मी अगले 1-2 दिनों तक जारी रहने की संभावना है। यद्यपि प्रदेश में लू की स्थितियों के 14 जून के बाद शिथिल पड़ने के आसार हैं। बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या,एवं आसपास के इलाकों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात और तेज झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है।

कहां बार-बार जा रहे हैं ऋषिकेश, यहां से 113 किमी दूर पड़ता है एक गांव,धरती पर स्वर्ग को देखना है तो आएं यहां

नयी दिल्ली। दिल्ली एनसीआर वाले वीकेंड पर हम अधिकतर कहां जाते हैं, सबसे ज्यादा ऋषिकेश क्योंकि ये वो जगह है जहां आप कभी भी आसानी से जा सकते हैं। गंगा नदी के किनारे मौजूद ऋषिकेश में कई बार इस तरह भीड़ रहती है कि चारों ओर पर्यटक ही पर्यटक दिखते हैं। अभी आप हाल ही में काफी खबरें पढ़ रहे होंगे कि ऋषिकेश में छुट्टियों में लोग खूब गए और वहां तगड़ा जाम देखने को मिला जिसकी वजह से टूरिस्ट एक दो घंटे के फंसे रहे। अब ऐसे में इंसान घूमने जाए या ऐसे जाम में फंसे जाए। इसीलिए हम लेकर आएं हैं एक ऐसी शांत जगह, जहां आप बढ़िया वीकेंड प्लान कर सकते हैं। ये ऋषिकेश से करीबन 113 किमी दूर पड़ती है। चलिए आपको इस जगह के बारे में बताते हैं।हम जिस जगह की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल में स्थित चमियाला गांव है, जो घनसाली ब्लॉक के अंदर आता है। ये खूबसूरत गांव समुद्र तल से करीबन 2 हजार से भी ज्यादा फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। चमियाला ऋषिकेश से करीबन 113 किमी दूर मौजूद है, साथ-साथ ये नई टिहरी से करीबन 66 किमी और घनसाली से कुछ ही किमी की दूरी पर पड़ता है।एक ओर वीकेंड में जहां ऋषिकेश में इतनी भीड़ देखने को मिलती है, वहीं दूसरी ओर चमियाला गांव शांत और शुद्ध वातावरण के लिए मशहूर है। बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने चमियाला गांव की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं।बाल गंगा नदी के तट पर मौजूद चमियाला गांव ऋषिकेश के पास

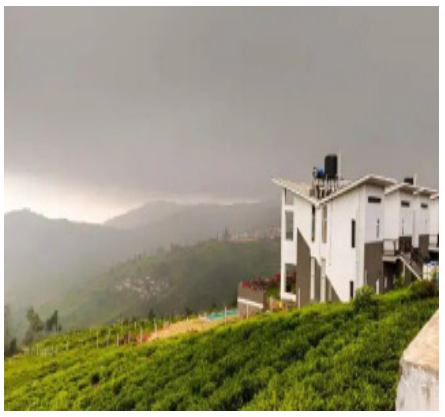

है। चमियाला गांव की हरियाली खूबसूरती में चार चांद लगाने का भी काम करती है। ये गांव अपने सीढ़ीनुमा खेती के लिए भी जाना जाता है। यहां गांव जीवन को आप करीब से देख सकते हैं।चमियाला गांव उन लोगों के लिए खास है जो शांत और शुद्ध वातावरण में घूमना पसंद करते हैं। यही नहीं, इस गांव को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानते हैं। यहां टूरिस्ट आकर अपनों के साथ एक क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। चमियाला गांव में आप केवल सुकून के पल ही नहीं, बल्कि और भी कुछ कर सकते हैं। यहां ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैम्पिंग भी की जाती है। इस गांव के बाहरी इलाके से बहने वाली गंगा नदी में आप मछली पकड़ने जैसी एक्टिविटी भी कर सकते हैं। नदी के किनारे सूर्योदय और सूर्यास्त का मजा लूट सकते हैं।चमियाला गांव के पास कई शानदार और खूबसूरत जगह हैं, यहां सब देखने के बाद यहां से जाने का दिल नहीं करेगा। इसके लिए आप राज गांव से लेकर श्रीकोट गांव, सुनार गांव और बालेश्वर को देख सकते हैं। यही नहीं, चमियाला गांव के पास में बेलेश्वर महादेव से लेकर मां भगवती मंदिर और मां राज राजेश्वरी मंदिर भी है। मतलब आपकी पहाड़ों के साथ धार्मिक जगहों पर घूमने की भी इच्छा पूरी हो जाएगी।ऋषिकेश से चमियाला गांव पहुंचना जाना काफी आसान है, इसके लिए आप ऋषिकेश से टैक्सी या कैब लेकर यहां आ सकते हैं, इसका किराया करीबन 1000 रुपए के आसपास है। इसके अलावा, ऋषिकेश से स्कूटी रेंट पर भी लेकर आप चमियाला गांव पहुंच सकते हैं। स्कूटी का किराया आपको 500 रु प्रति दिन पड़ेगा।

यूपी के इस गांव में 15 दिन में हार्ट अटैक से 12 मौतें! जहरीले जल पर शक, दहशत में जी रहे ग्रामीण

बागपत। बागपत जनपद का रमाला थानाक्षेत्र, बूढ़पुर गांव जहां 15 दिन में 12 लोगों की हार्टअटैक से मौत हो गई। किसी की सुबह को टहलते हुए सीने में दर्द होने के बाद मौत हुई तो कोई खेत में कार्य करते हुए और घर में सोते हुए मर गया।उत्तर प्रदेश में गर्मी और तपिश से जनजीवन बेहाल है। लोग बिना जरूरत दोपहर के समय घर से बाहर निकलने में भी झिझक रहे हैं। सबकी निगाहें आसमान की ओर टकटकी लगाकर बारिश का इंतजार कर रही हैं। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 17 से पूर्वी और 19 से पश्चिमी यूपी में बारिश होने के आसार हैं। रविवार से अगले पांच दिन तक प्रदेश में लू की कोई

चेतावनी नहीं है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मध्य क्षोभ मंडल में आ रहे पश्चिमी विक्षोभ और निचले क्षोभ मंडल में राजस्थान से मराठवाड़ा तक विस्तृत द्रोणी के प्रभाव से प्रदेश में पुरवा हवाओं का आवेग बढ़ा है। इसकी वजह कोई प्रभावी मौसम तंत्र न होने के बावजूद प्रदेश में शुरू हुई छिटपुट वर्षा की गतिविधियों में 15 जून से बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही 17 जून से पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 19 जून से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना है।मौसम वैज्ञानिक ने आगे बताया कि 13 जून को बुंदेलखंड के आसपास के इलाकों के अतिरिक्त प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के तापमान में गिरावट दर्ज हुई। इस वजह से आगरा और मैनपुरी को छोड़कर प्रदेश के अन्य स्थानों पर तकनीकी दृष्टि से लू की स्थिति दर्ज नहीं की गई। लेकिन, उच्च आर्द्रता स्तर के दृष्टिगत अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से प्रभावी रूप से ऊपर बने रहने के कारण बढ़े हुए ताप सूचकांक के प्रभाव से तराई इलाकों को छोड़कर अन्य स्थानों पर पड़ रही उमस भरी गर्मी अगले 1-2 दिनों तक जारी रहने की संभावना है। यद्यपि प्रदेश में लू की स्थितियों के 14 जून के बाद शिथिल पड़ने के आसार हैं।

जेल में बंद दुष्कर्म के आरोपी युवक की रिपोर्ट आई एचआईवी पॉजिटिव, किशोरी की भी होगी जांच

प्रतापगढ़। किशोरी को भगाकर ले जाने और दुष्कर्म करने के आरोप में जेल में बंद युवक की एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जांच में इसका खुलासा हुआ है। चिकित्सकों ने आरोपी बंदी की काउंसलिंग की है। अब किशोरी की भी जांच की जाएगी। अगर वह भी संक्रमित पाई जाती है तो उसकी शादी दूसरे घर में नहीं होगी।कुंडा तहसील क्षेत्र का एक युवक बीते दो माह पहले शादी का झांसा देकर एक किशोरी को बहला फुसला कर भगा ले गया था। किशोरी के परिजनों ने युवक के खिलाफ बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने 15

दिन पहले युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दो दिन पहले जेल में जांच के दौरान पता चला कि बंदी एचआईवी पॉजिटिव है।चिकित्सकों की काउंसलिंग में बंदी ने बताया कि वह नशे के लत में फंस गया था। साथियों के साथ इंजेक्शन लगाया करता था। जिसके कारण एचआईवी संक्रमित हो गया। पीएनपी संस्था के प्रोग्राम मैनेजर विमला यादव ने बताया कि एचआईवी संक्रमित बंदी के बाद अब किशोरी की जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट में यदि किशोरी एचआईवी संक्रमित मिलती है तो उसकी शादी किसी दूसरे के घर नहीं होगी।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, इरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमारे युवा क्रिकेट देखते हुए कितना समय बिताते हैं?

जरा इस परिदृश्य पर विचार करें : एक घरेलू क्रिकेट लीग अपना वार्षिक

टूर्नामेंट आयोजित करती है। एक टीम के खिताब जीतने के बाद 35,000 दर्शक-क्षमता वाले स्टेडियम में जीत का जश्न मनाया जाता है। लेकिन लाखों लोग चले आते हैं। अराजकता फैल जाती है। भगदड़ मच जाती है। 11 लोग मारे जाते हैं। दर्जनों घायल हैं। दोषारोपण का खेल शुरू हो जाता है।आपने अनुमान लगा लिया होगा- यह आईपीएल है। मनोरंजन का ऐसा जरिया, जिसने पूरे देश को मोहित कर रखा है। 2025 के आईपीएल फाइनल को कथित तौर पर टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर लगभग 69 करोड़ लोगों ने देखा, जो कि भारत की लगभग आधी आबादी है। नियमित मैचों को भी करोड़ों दर्शक मिलते हैं।आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई दुःखद मौतें इस बात की याद दिलाती हैं कि क्रिकेट हमारी राष्ट्रीय मानसिकता में कितनी गहराई से समा गया है। यह घटना इस बड़े सवाल को जन्म देती है कि क्या हम क्रिकेट को लेकर कुछ ज्यादा ही जुनूनी हो चुके हैं? और क्या यह उन अनगिनत घंटों पर विचार करने का समय नहीं है, जो कि हम और खासकर हमारे युवा स्क्रीन से चिपके हुए बिताते हैं?आईपीएल पारम्परिक अर्थों में राष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं है। फर्क नहीं पड़ता कि कौन-सी टीम जीतती है, अंतिम निष्कर्ष में वह कोई भारतीय टीम ही होती है। इसमें खिलाड़ियों की नीलामी की जाती है और उन्हें कमोडिटीज़ की तरह खरीदा-बेचा जाता है।टीमों का स्वामित्व कॉर्पोरेट्स, निजी व्यक्तियों और इंवेस्टमेंट-फंड्स के पास होता है यानी किसी शहर की टीम होने के बावजूद वे वास्तव में उस शहर का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। आईपीएल का फॉर्मेट ही व्यावसायिक है। तब हमें इसमें इतनी रुचि क्यों लेनी चाहिए कि भगदड़ का जोखिम उठाकर भी जश्न में शामिल होने को उमड़ पड़ें?और वैसे भी आईपीएल का टी20 फॉर्मेट पारम्परिक क्रिकेट नहीं है। 20 ओवरों के साथ टीमें इस खेल का संकुचित संस्करण खेलती हैं। टी20 मैच के माध्यम से खिलाड़ी की गुणवत्ता का आकलन करना मात्र आधे सेट से ही किसी बेहतर टेनिस खिलाड़ी का निर्धारण करने जैसा है। यह रोमांचक हो सकता है, लेकिन यह निरंतरता और उत्कृष्टता को शायद ही दर्शाता है।यकीनन, क्रिकेट दिलचस्प खेल है (वैसे यह अंग्रेजों ने हमें दिया है), लेकिन क्या यह भारत में किसी भी अन्य खेल की तुलना में अधिक देखने लायक है? यह भी सच है कि भारत क्रिकेट में विश्व-स्तरीय है, लेकिन इस विश्व-स्तरीय खेल में दुनिया के कितने देश प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं?यहां छह या सात ही अच्छी टीमें हैं। इनमें भी कुछ जैसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की आबादी क्रमशः अहमदाबाद और मुंबई के बराबर है। और क्रिकेट वहां भी प्राथमिक खेल नहीं है। दूसरे देशों के क्रिकेट बोर्ड का बजट भारत के बीसीसीआई के बजट के दसवें हिस्से से भी कम होता है। ऐसे में जब भारत क्रिकेट में जीतता है, तो यह जीत कितनी वैश्विक मानी जा सकती है?खास तौर पर चिंताजनक बात यह है कि हमारे युवा क्रिकेट देखने में कितना समय बिताते हैं। अपने देश का समर्थन करने या आईपीएल में अपनी टीम को सपोर्ट करने के नाम पर साल के कई महीनों तक हर दिन कई घंटे बर्बाद होते हैं। जो युवा प्रशंसक गर्व से कहते हैं कि आई ब्लीड ब्लू या मेरा पसंदीदा खिलाड़ी ही सर्वश्रेष्ठ है, उनसे मैं पूछता हूं कि खिलाड़ी मैचों से कितना कमाते हैं? बेशक करोड़ों। और उन्हें देखकर आप कितना कमा लेते हैं? कुछ भी नहीं। शून्य।तब वास्तव में आप ही यहां पर प्रोडक्ट हैं। आप मैच देखते हैं, आप विज्ञापन देखते हैं, आप नूडल्स, टायर, शैम्पू खरीदते हैं- और प्रायोजक पैसा कमाने में विभिन्न ब्रांड्स की मदद करते हैं। साल-दर-साल आप अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ दूसरों को सफल होते देखने में लगा देते हैं। जबकि असहज कर देने वाली सच्चाई यह है कि किसी को आपकी परवाह नहीं है, उन्हें सिर्फ इस बात की परवाह है कि आप आईपीएल देख रहे हैं।तो अपने से पूछें कि क्या आप अपना जीवन दूसरों को सफल होते देखने में बिता देना चाहते हैं, या आप खुद इसके लिए प्रयास करना चाहेंगे? क्या आप एक सार्थक करियर बनाना पसंद करेंगे, या निजी स्वामित्व वाली किसी क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने वाली भीड़ में अपनी जान जोखिम में डालना चाहेंगे?खुद से यह सवाल पूछें कि क्या आप अपना स्वयं का एक सार्थक करियर बनाना पसंद करेंगे, या फिर निजी स्वामित्व वाली किसी क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने वाली भीड़ में अपनी जान जोखिम में डालना चाहेंगे? (ये लेखक के अपने विचार हैं) (चेतन भगत)

हिंसक हो रही स्त्रियां समाज का कौन-सा सच बताती हैं?

एक व्यक्ति अपने बेडरूम में मृत पड़ा है। मारने से पहले उसे किसी

भारी वस्तु से निर्ममता से पीटा गया है, या उसका गला घोंटा गया है या उसे जहर दे दिया गया है। कठघरे में उसके घर में चोरी करने घुसा कोई अपराधी या शत्रु नहीं, बल्कि उसकी पत्नी खड़ी है। कभी-कभी, पत्नी का प्रेमी भी उसके बगल में बैठा होता है। ये सुर्खियां इतनी भयावह हैं कि उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता : पत्नियां- जो प्रेमी के बहकावे में आकर या उसको बहकाकर अपने पति की साजिश रच देती हैं। इन कहानियों में विश्वासघात, सेक्स और हत्या के तमाम सनसनीखेज ब्योरे शामिल होते हैं। लेकिन क्या ये कहानियां समाज के हाशिए में अलग-थलग घटित होने वाली दुर्घटनाएं हैं, या वे एक गहरे सामाजिक पतन का संकेत दे रही हैं? क्या हम कुछ एक्स्ट्रीम मामलों को चुन-चुन कर उन्हें महिलाओं को बदनाम करने वाली कहानियों में बदल रहे हैं और उनसे अधिक व्यापक सच्चाइयों को सुविधाजनक रूप से नजरअंदाज कर रहे हैं? या सच में ही हम ऐसी महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी होते देख रहे हैं, जो अपने ही घरों में हिंसक अपराधी बन रही हैं? जबकि ये वही महिलाएं हैं, जिन्हें परम्परागत रूप से परिवार का पालन-पोषण करने वाली माना जाता रहा है। और क्या कुछ पुरुषों के पीड़ित होने के बावजूद आज भी महिलाओं के ही विक्टिम होने की सम्भावना अधिक है? उन्माद से भरी इन कहानियों के नीचे कहीं अधिक जटिल, और परेशान करने वाली वास्तविकताएं छिपी हैं। हमें इस बात को लेकर कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए कि आज भी भारत और दुनिया में घरेलू हिंसा की अधिकांश घटनाएं पुरुषों द्वारा महिलाओं पर की जाती हैं। महिलाओं को उनके पार्टनर द्वारा पीटे जाने, उनका उत्पीड़न करने, और यहां तक कि उनकी हत्या करने की सम्भावनाएं भी महिलाओं द्वारा अपने पुरुष-पार्टनर के साथ ऐसा करने की तुलना में अधिक हैं। इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। जो बदला है वह वो सांस्कृतिक असुविधा है, जो पुरुष के विक्टिम और महिला के अपराधी होने पर उत्पन्न होती है। प्रेमियों के लिए अपने पतियों की हत्या करने वाली महिलाओं के कुछ हाई-प्रोफाइल मामले चौंकाने वाले हैं, क्योंकि वे उस सामाजिक नैरेटिव को चुनौती देते हैं, जिसे हम लंबे समय से स्वीकार करते आ रहे हैं। यह कि महिलाएं- विशेष रूप से पत्नियां- हिंसा की घटनाओं में निष्क्रिय सहभागिता करती हैं, उन्हें खुद बढ़ावा नहीं देतीं। जब यह बात उलट जाती है, तो वे हमें बेचैन करने लगती हैं। और इसके बावजूद, हमें इन घटनाओं को सभी विवाहों या सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली के रूप में देखने की इच्छा का विरोध करना चाहिए। हां, ऐसी घटनाएं सच में ही घटित हो रही हैं- सभी राज्यों और सामाजिक वर्गों में- जहां महिलाओं ने या तो जुनून या हताशा या लालच के कारण अपने पतियों की हत्या करने के लिए अपने प्रेमियों के साथ मिलकर साजिश रची हैं। ये मनगढ़ंत नहीं हैं। ये भयानक, आपराधिक कृत्य हैं। लेकिन साथ ही ये घटनाएं अभी अपवादस्वरूप ही हैं, सांख्यिकीय रूप से दुर्लभ हैं। जो बात खतरनाक है, वो है इन घटनाओं को महिलाओं की नैतिकता के व्यापक क्षरण की तरह से पेश किया जाना। यह सीधे तौर पर इस पितृसत्तात्मक डर को बढ़ावा देता है कि अगर महिलाओं को बहुत अधिक स्वतंत्रता दी जाए तो वे अनियंत्रित हो जाएंगी। इस तरह की प्रतिक्रियाएं न तो पुरुषों और न ही महिलाओं के लिए मददगार हैं। बल्कि इससे वह वास्तविक-विमर्श धुंधला हो जाता है, जिस पर हमें बात करनी चाहिए : वह है जेंडर के परे भारतीय घरों में हिंसा का बढ़ता सामान्यीकरण। विवाह, जिसे कभी दो लोगों की शरणस्थली माना जाता था, वह अब सत्ता-संघर्ष, अविश्वास और कभी-कभी खून-खराबे का भी स्थल बन रहा है। इन घटनाओं का इस्तेमाल महिलाओं को बदनाम करने या विक्टिमहुड की रस्साकशी करने में करने के बजाय हमें इस सच्चाई को स्वीकारना चाहिए कि हिंसा अब जेंडर-न्यूट्रल होती जा रही है। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है। कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात का कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं।और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है, और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं।विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

किसी साधु का मूल्यांकन करने में सावधानी रखें

इन दिनों धार्मिक गतिविधियां बहुत बढ़ गई हैं। समाज में साधु-संतों का आना-जाना, दिखना ज्यादा हो गया है। यदि आप सामान्य मनुष्य हैं तो जब किसी साधु को देखें तो उसका मूल्यांकन करने में सावधानी रखें। क्योंकि संत यदि सक्रिय दिखे तो उसे बेचैन मत समझना। यह मत मान लेना कि वो भी तामसी वृत्ति में लगा है, रजोगुणी है। और संत निष्क्रिय दिखे तो उसे आलसी न मान लीजिए। हो सकता है उसके भीतर मौन और शांति घटी है। लेकिन हमारी आदत होती है कि हम जैसे होते हैं, वैसा ही दूसरे को देखने लगते हैं। ज्यादातर मौकों पर हम अपनी ही छवि दूसरों में डालकर देखते हैं। दूसरे के व्यक्तित्व का निर्णय करते समय हम अपना ही फैलाव करें।

दैनिक जीवन में 'करुणा' दिखाना हमें बेहतर इंसान बनाता है

कोई भी उसके पास नहीं जा सकता। वह तुरंत मार कर खा जाएगा। यह उसकी प्रकृति है। टी-118 वहां बैठा था। उसने अपनी गर्दन हल्की सी उस ओर मोड़ रखी थी, जिधर से लोगों की हलचल की आवाज आ रही थी। लेकिन उसने उठकर अपने शिकार तक जाने की कोशिश नहीं की। हांफते हुए, अपने पैरों पर खड़ा होने की कोशिश करते हुए, उसने एक जलनिकाय के पास ही रुके रहने का फैसला किया। गश्ती दल के लिए यह कुछ असामान्य था। इसीलिए उन्हें कुछ कदम आगे बढ़ने की हिम्मत मिली, लेकिन वे कई मीटर दूर ही रहे। आखिरकार, यह जंगल में एक बाघ था और कोई भी इसे लेकर खतरा मोल नहीं ले सकता। उस दूरी से भी बाघ के घाव नजर आ रहे थे। वह खड़ा नहीं हो रहा था, क्योंकि वह शिकार करने की हालत में ही नहीं था और गश्ती दल ने तुरंत भांप लिया कि यदि घाव के संक्रमण से उसकी मौत नहीं हुई, तो भूख से हो जाएगी। अप्रैल के अंत की बात है, हाथी पर सवार पशु चिकित्सा दल वहां पहुंचा। और उसने टी-118 को उसी स्थान पर बदतर स्थिति में पाया। उसके चेहरे व शरीर पर गहरे घाव थे। इनमें मवाद पड़ चुकी थी। पशु चिकित्सकों समेत विशेषज्ञों को इसका भी भरोसा नहीं था कि यदि वे उसे अस्पताल ले जाएंगे, तो भी वह बच पाएगा या नहीं। इसलिए उन्होंने वहीं इलाज की योजना बनाई। ट्रैंक्युलाइज करने के बाद बेहोश बाघ को उठाने में 12 लोग लगे। पहले उन्होंने घाव साफकर एंटीबायोटिक्स व एंटीइन्फ्लामेट्री दवाओं से उपचार किया, 15 दिन ओरल दवाएं दी और नियमित निगरानी रखी। और कान्हा रिजर्व में मौत के मुंह में जा रहे बाघ ने धीरे-धीरे प्रतिक्रिया देनी शुरू की। टीम ने देखा कि बाघ धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो रहा था, उसकी ताकत लौट रही थी और अपने इलाके पर नियंत्रण कर रहा था। मुश्किलों से जूझते हुए, टी-118 सही हो रहा था। कुछ समय बाद जब उसने एक जंगली भैंसे का शिकार किया तो टीम ने समझ लिया कि अब उनका काम पूरा हुआ। टीम के लिए यह किसी एक बाघ को बचाने की बात नहीं थी। यह संरक्षण के एक मॉडल को परिष्कृत और उसे मान्यता दिलाने की बात थी, जिसमें वन्यजीवों का उपचार उनके प्राकृतिक आवास में कम से कम दखल के साथ किया जाता है। मानव जाति की यह हृदयस्पर्शी कहानी मुझे तब याद आ गई, जब मैंने हाल ही में हुए उस भीषण हादसे के बारे में सुना, जिसमें मुंबई के नजदीक, एक खतरनाक मोड़ पर तेज गति से दौड़ती लोकल ट्रेन से गिरकर चार यात्रियों की मौत हो गई थी, जबकि 10 घायल हुए थे। हादसे ने यात्रियों में आक्रोश पैदा कर दिया और मुम्बई के हलचल भरे उपनगरीय रेल नेटवर्क पर भीड़ नियंत्रण एवं यात्री सुरक्षा की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को फिर हवा दे दी। पीड़ितों और स्थानीय लोगों का कहना है, 'लोग रोजाना ट्रेनों से गिरते हैं, लेकिन इस सप्ताह चूंकि कुछ लोगों की मौत हो गई, इसलिए यह मुद्दा बन गया। यात्री समूह नियमित तौर पर यह मांग कर रहे हैं कि ऐसी त्रासदियों को रोकथाम के लिए बुनियादी ढांचा सुधारा जाए और निरंतर सेवाएं दी जाएं। लेकिन रेलवे अधिकारियों के उदासीन रवैए के कारण ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।' पीड़ित और नियमित यात्री इस बात पर अचंभा कर रहे हैं कि जब कार्यकर्ताओं ने कई माह पहले ही अधिकारियों को लिखा था कि यात्री खतरनाक तरीके से ट्रेनों से लटकते रहते हैं और खासकर इस मोड़ पर खतरा है, तो क्या कारण था कि अधिकारियों ने इस ओर सुधारात्मक कदम नहीं उठाए? और उनकी बात सही है। हम वही लोग हैं, जिन्होंने घायल बाघ की पीड़ा को महसूस किया, यानी हमारे भीतर वो 'करुणा' है, जो मानव जाति का सबसे बेहतर गुण है। इसी वजह से मैं अचंभे में पड़ जाता हूं कि हमारी 'करुणा' को तब क्या हो जाता है या ये तब कहां खो जाती है, जबकि हमें पता होता है हमारी खुद की प्रजाति रोजाना नहीं तो अधिकतर मौकों पर अपनी जान गंवा रही है, जैसा कि पीड़ित यात्रियों ने दावा किया है। फंडा यह है कि हम सभी करुणा का महत्व समझते हैं, लेकिन हमें इसे अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों में प्रदर्शित करने की जरूरत है, खासकर तब जबकि किसी की भी जान को खतरा हो।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है?पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है। तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से

मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते। हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है। जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं। विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए। निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है। 1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे। रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6फीसदी से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा। भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है।

बॉलीवुड फ़िल्म प्यार तो हमेशा रहेगा बहुत जल्द सिनेमा घरों मे दस्तक देगी

नयी दिल्ली। साइन केयर

प्रोडक्शन की आने वाली फिल्म प्यार तो हमेशा रहेगा की शूटिंग कंप्लीट हो चुकी है जो बहुत जल्द ही सिनेमाघर में दस्तक देगी जिसके मुख्य कलाकार आरती केशपाल सोयब राणा हरेंद्र डबास मलकीत सिंह देवेंद्र कुमार पूजा श्रीवास्तव योगेंद्र तोमर अनिता प्रीतिका राधिका अरोड़ा श्रीपाल यादव शौकीन अल्वी निर्मला गोरड़ा गजेंद्र सिंह धर्मेंद्र वर्मा आदि है फिल्म की डायरेक्टर प्रवीण कुमार ने मैंने बताया है की फिल्म एक सामाजिक

संदेश देने हैं सफल होगी फिल्म में एक्शन मनोरंजन प्यार तो हमेशा रहेगा एक रोमांटिक एक्शन पारिवारिक फिल्म है इसकी शूटिंग उत्तर प्रदेश दिल्ली एनसीआर और उत्तराखंड में की गई है फिल्म में गीतकार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉक्टर अवनीश राहीऔर संगीत अंकित सिन्हा निर्माता साइन केयर प्रोडक्शन में निर्देशक प्रवीण कुमार है फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-अपने भूमिका अच्छे से निभाई है

फुलेरा में कौन बनेगा नया प्रधान,पंचायत सीजन 4 के ट्रेलर में दिखा चुनावी घमासान, समय से पहले रिलीज होने जा रही है सीरीज

नयी दिल्ली। मोस्ट अवेटेड

सीरीज 'पंचायत' सीजन-4 जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर आने वाला है। मेकर्स ने सीजन-4 का ट्रेलर रिलीज कर दिया, जिसने एक बार फिर से फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। 2:38 सेकंड के इस ट्रेलर में पुराना हर किरदार नजर आ रहा है। बस उनकी चुनौतियां नई हो गई हैं।नए सीजन के ट्रेलर में दिखता है कि कैसे फुलेरा गांव में नए प्रधान के लिए मंजू देवी (नीना गुप्ता) और क्रांति देवी (सुनीता राजवार) के बीच चुनावी घमासान चल रहा है। दोनों अपने वोटरों को लुभाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाते नजर आ रही हैं। साथ ही पुराने चेहरों की आपसी तू-तू, मैं-मैं भी देखने को मिली रही है।'पंचायत' के ट्रेलर को ऑडियंस का भी खूब प्यार मिल रहा है। यूट्यूब पर लोग इस पर जमकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। किसी को रिंकी का एक्सप्रेशन अच्छा लग रहा है तो कोई सचिव जी की लव स्टोरी के लिए वोट की मांग कर रहा है। एक यूजर ने इस सीरीज और खुद को लेकर एक मजेदार वाक्य शेयर किया है।रीचकोडिंग नाम के इस यूजर ने लिखा है- 'मैंने बेरोजगार के तौर पर सीजन 1 और सीजन 2,3 को देखा था। लेकिन अब मैं उत्तर प्रदेश में पंचायत सचिव के तौर पर नियुक्त हुआ हूं। मैं सीजन 4 को पंचायत सचिव के तौर पर देखूंगा। मैं बहुत खुश हूं।बता दें कि पंचायत एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जिसे द वायरल फीवर फेम दीपक कुमार मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। चंदन कुमार ने इस शो को लिखा है। इस शो का पहला सीजन साल 2020 में कोविड के दौरान रिलीज हुआ था। इस शो को दर्शकों का इतना प्यार मिला कि अब तक इसके तीन सीजन आ चुके हैं। हर सीजन ने दर्शकों का उतना ही मनोरंजन किया है। पंचायत सीजन-4 पहले दो जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे तय समय से एक हफ्ते पहले रिलीज किया जा रहा है।ये शो 24 जून से भारत और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों में स्ट्रीम होगा।

नवजोत सिद्धू बोले- राजनीति मेरा धंधा नहीं, मिशन, लोगों की सेवा के लिए तैयार, माफिया राज खत्म करना जरूरी

नयी दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के

नेता व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर से एक्टिव हो गए हैं। हाल ही में कपिल शर्मा शो में उनकी फिर से वापसी की चर्चा हो रही थी तो आज उन्होंने राजनीति में अपनी वापसी की भी बात की है। उन्होंने कहा कि वो राजनीति में कमाने नहीं आए थे।नवजोत सिंह सिद्धू आज अमृतसर के ज्ञानी टी स्टाल के बाहर नजर आए, जहां उन्होंने कहा कि वो कभी राजनीति को धंधा नहीं समझते। सिद्धू ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब को माफिया की तरह चलाया जा रहा है। उनके अनुसार सरकार के पास राज्य के विकास का कोई विजन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राजनीति में व्यापार करने नहीं, बल्कि परिवर्तन लाने आए थे।पिछले 30 सालों की सरकारों पर टिप्पणी करते हुए सिद्धू ने कहा कि सभी सरकारें माफिया के नियंत्रण में थीं। उन्होंने अपनी ईमानदारी का जिक्र करते हुए कहा कि 15 साल की राजनीति में उन पर कोई आरोप नहीं लगा।यह बयान 2027 के चुनावों से पहले आया है। इससे पहले उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने भी अपनी बीमारी से ठीक होने के बाद राजनीति में वापसी की बात कही थी। सिद्धू ने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि पंजाब में कोई नीतिगत बदलाव नहीं किया गया है और सरकार केवल कर्ज लेकर राज्य चला रही हैं।इससे पहले नवजोत सिंह सिद्धू कुछ दिन पहले कपिल शर्मा शो में वापसी के लिए चर्चा में आए थे। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वो छह साल के बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं पिछले महीने उन्होंने अपने एक यूट्यूब चैनल को भी लॉन्च किया था।नवजोत सिंह सिद्धू ने आज साफ तौर पर कहा कि उन्हें पंजाब से इश्क है और राजनीति उनका मिशन है।।इश्क के बदले वो कुछ नहीं चाहते लेकिन जो भी पंजाब के लिए बदलाव और पॉलिसी की बात करेगा वो उसके साथ होंगे।दरअसल, पंजाब में कांग्रेस के लिए वक्त-वक्त पर मुसीबत खड़ी करने वाले नवजोत सिंह सिद्धू पार्टी से खासा नाराज दिख रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले 30 साल से जितनी भी सरकारें पंजाब में आईं, सभी को माफिया चलाता था, लेकिन मैं आज भी अपने उसूलों पर कायम हूं।नवजोत सिंह सिद्धू ने आगे कहा कि पिछले 15 साल की राजनीति में कोई आरोप मुझ पर है, तो बताइए। मैंने अपना जमीर और किरदार गिरने नहीं दिया। पंजाब में बदलाव के लिए कोई पॉलिसी नहीं लाई गई, न ही प्रोग्राम का ऐलान किया गया। कई साल से कर्ज लेकर सरकार पंजाब चला रही हैं। उल्टा मुझ पर आरोप लगाते हैं कि ऊंची आवाज में बोलता है।

बेटी सुहाना को पैपराजी से बचाती दिखीं गौरी खानःएयरपोर्ट पर पैप्स का कैमरा करवाया बंद, यूजर्स बोले- ऐसा करने की जरूरत क्या थी?

नयी दिल्ली। गौरी खान पब्लिक

स्पेस में आमतौर पर स्माइली फेस के साथ नजर आती हैं। पैपराजी हो या फैंस वो सबको पोज देती हैं। लेकिन इस बार गौरी अपने अलग अंदाज के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में वो खान बेटी सुहाना खान के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। दोनों ही मां-बेटी स्टाइलिश लुक में नजर आ रही थीं। सुहाना ब्लू डेनिम के साथ बेसिक ब्लैक टॉप में नजर आईं। वहीं, गौरी ऑफ वाइट जैकेट के साथ ब्लू डेनिम और ब्लैक गॉगल्स में दिखीं।दोनों को कैमरे में कैद करने के लिए वहां पैपराजी भी मौजूद थी। पैपराजी पर नजर पड़ते ही, गौरी अचानक से बदली दिखीं। वो तुरंत आगे बढ़कर कैमरा बंद करने लगीं। वायरल वीडियो में दिखता है कि गौरी की नजर जैसे ही कैमरे पर पड़ती है, वो तेजी से उनकी तरफ बढ़ती हैं और कहती हैं वन सेकंड गाइज। फिर वो मुड़कर बेटी सुहाना की तरफ देखती हैं।इस दौरान सुहाना पैपराजी को इग्नोर करते दिखीं। इंटरनेट यूजर्स गौरी के इस बिहेवियर पर हैरान हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिरी उन्होंने ऐसा क्यों किया।बता दें कि वो बेटी सुहाना के साथ दिल्ली में 'गौरी खान डिजाइन एक्सपीरियंस सेंटर' लॉन्च के लिए गई थीं। शाहरुख खान की पत्नी के अलावा उनकी अपनी एक अलग पहचान है। वो डिजाइनिंग के अलावा रेस्टोरेंट बिजनेस भी इन्वॉल्व हैं।लगभग दो महीने पहले गौरी खान के मुंबई स्थित रेस्टोरेंट टोरी पर खाने की क्वालिटी पर गंभीर आरोप लगे थे। 19 साल के इंफ्लुएंसर सार्थक सचदेवा ने रेस्टोरेंट पर पर नकली पनीर का इस्तेमाल करने और खाने की क्वालिटी से समझौता करने का आरोप लगाया। इंस्टाग्राम पर वीडियो वायरल होने के बाद गौरी के रेस्टोरेंट टोरी को इस पर सफाई देनी पड़ी थी।

टीवी एक्ट्रेस सना मकबूल को हुआ लिवर सिरोसिस,लिवर ट्रांसप्लांट करने की आई नौबत, बोलीं- मैं इसके बिना ठीक होना चाहती हूं

नयी दिल्ली। कुछ दिन पहले बिग

बॉस ओटीटी विनर टीवी एक्ट्रेस सना मकबूल की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वो हॉस्पिटल में एडमिट नजर आ रही थीं। अब एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि वो लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते सना ने कहा है- 'मैं कुछ समय से ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस से पीड़ित हूं, लेकिन हाल ही में हालात और खराब हो गए हैं। मेरी इम्यून सिस्टम ने मेरे लिवर पर अधिक आक्रामक तरीके से हमला करना शुरू कर दिया है, और अब मुझे लिवर सिरोसिस होने का पता चला है। लेकिन मैं मजबूत रहने की कोशिश कर रही हूं।एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपनी इम्यूनोथेरेपी शुरू कर दी है और अपनी रिकवरी पर फोकस कर रही हैं। वो कहती हैं- 'मैं और डॉक्टर लिवर ट्रांसप्लांट से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।मैंने इम्यूनोथेरेपी शुरू कर दी है। यह वाकई बहुत इंटेंस और थका देने वाला है। कुछ दिन दूसरे दिनों से ज्यादा कठिन होते हैं। लेकिन मैं उम्मीद पर कायम हूं।मैं बस इतना चाहती हूं कि लिवर ट्रांसप्लांट जैसी बड़ी चीज की जरूरत के बिना ठीक हो जाऊं। यह आसान नहीं होगा, लेकिन मैं इतनी आसानी से हार मानने को तैयार नहीं हूं।' वह आगे कहती हैं, 'मैं कुछ दिन रोती हूं, कुछ दिन हंसती हूं, लेकिन हर दिन, मैं कोशिश करती हूं। जैसा कि वे कहते हैं, हीलिंग एक जर्नी है, और मैं आगे बढ़ते हुए सीख रही हूं।'बता दें कि 8 जून को सना अपनी फैमिली के साथ बकरीद मना रही थीं, जब उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी। सना को अस्पताल में भर्ती कराने की नौबत आ गई। अस्पताल से उनकी डॉक्टर दोस्त आशना कांचवाला ने उनकी फोटो शेयर कर लिखा था कि सना किसी गंभीर बीमारी से लड़ रही हैं और उन्हें फैंस की दुआ की जरूरत है।

मौत से चंद सेंकड पहले संजय कपूर ने कहे ये चार शब्द, फिर पड़ा दिल का दौरा

नयी दिल्ली। भारतीय उद्योगपति

और करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन लंदन में गुरुवार को एक पोलो मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने से हो गया। 53 साल के संजय कपूर ऑटो कंपनी सोना कोमस्टार के प्रमुख थे और अपने सोशल और बिजनेस नेटवर्क के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे। उनकी अचानक हुई मौत ने उद्योग जगत से लेकर बॉलीवुड तक सभी को हिला कर रख दिया है।लंदन में हो रहे पोलो मैच के दौरान संजय अचानक गिर पड़े। चश्मदीदों के मुताबिक, उन्होंने गिरने से पहले कहा, 'मैंने कुछ निगल लिया है।' दरअसल कुछ रिपोट्‌र्स के मुताबिक, संजय ने खेल के दौरान एक मधुमक्खी निगल ली थी, जिससे उन्हें एलर्जी हुई और दिल का दौरा पड़ा। हालांकि उनकी कंपनी द्वारा जारी ऑफिशियल बयान में मौत का कारण सिर्फ हार्ट अटैक बताया गया है।संजय के करीबी दोस्त और जाने-माने बिजनेस विशेषज्ञ सुहेल सेठ ने एएनआई से बातचीत में कहा कि ये घटना बहुत दुखद है और उनके मुताबिक संजय की मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई, जो जाहिर तौर पर मधुमक्खी निगलने की वजह से हुआ होगा। हालांकि, इस तथ्य की पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है।संजय की मौजूदा पत्नी प्रिया सचदेव के पिता अशोक सचदेव ने एक निजी चैनल को बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम लंदन में किया जा रहा है और जरूरी कागजी कार्यवाही पूरी होते ही शव भारत लाया जाएगा।

उर्फी जावेद ने अपूर्वा मुखीजा को कहा बद्‌तमीज 'द ट्रेटर्स' के बाहर भी दोनों बनीं जानी दुश्मन

नयी दिल्ली। करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के अभी कुछ एपिसोड ही प्रसारित हुए हैं और अभी से घर के अंदर ड्रामा अपने चरम पर है। इस बार सुर्खियों में हैं दो कंटेस्टेंट्स- उर्फी जावेद और अपूर्वा मुखिजा। शुरुआती एपिसोड में दोनों के बीच 'सिस्टर कोड' देखने को मिला था, लेकिन अब वही रिश्ता तकरार में बदल चुका है। दोनों अब एक दूसरे कीं कट्टर दुश्मन बन गई हैं। अब दोनों की लड़ाई सिर्फ शो तक ही सीमित नहीं है बल्कि शो से बाहर भी दोनों एक दूसरे पर तंज कसते हुए नजर आ रही हैं। शो के हालिया एपिसोड में दिखाया गया कि एक टास्क के बाद अपूर्वा मुखिजा भावुक हो गईं और अपनी मां को याद करते हुए रोने लगीं। उर्फी ने उनका हालचाल पूछना चाहा, लेकिन अपूर्वा ने उन्हें 'स्पेस' देने को कहा। उर्फी को ये बात चुभ गई और उन्होंने इसे अपमानजनक तरीके से लिया। उन्होंने बाद में जन्नत जुबैर और बाकी सदस्यों से कहा, 'मुझे इस तरह बात करना पसंद नहीं है, वो मेरे लेवल की नहीं है।' इस बहस की क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। अपूर्वा ने भी इस क्लिप को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'हमें मानना पड़ेगा, हम एक ही लेवल पर नहीं हैं।' इस पर उर्फी ने करारा जवाब देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी में अपूर्वा को 'बत्तमीज' बताया और कहा, 'मैं इस लड़की की तरह बत्तमीज नहीं हूं। अगर बत्तमीजी ही कूल बनने का रास्ता है, तो मुझे ऐसी कूल गैंग का हिस्सा नहीं बनना।' उर्फी ने शो के दौरान यह भी साफ कहा कि अगर कोई इस तरह झल्लाकर बात करता है, तो वो उससे दोस्ती नहीं रखना चाहतीं।

अनुपम खेर ने पत्नी किरण को दिया जन्मदिन का खास तोहफा, बोले- 'तुम मेरे जीवन का अहम हिस्सा'

नयी दिल्ली। मशहूर एक्ट्रेस किरण

खेर आज 14 जून को अपना 73वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खुशी के मौके पर मनोरंजन जगत के स्टार्स उन्हें ढेर सारी बधाईयां दे रहे हैं। अब अभिनेत्री के पति और दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने उन्हें खास अंदाज में बधाई दी है और एक प्यारा नोट भी लिखा है। आइए जानते हैं अभिनेता ने क्या कहा। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी पत्नी किरण खेर के जन्मदिन के खास अवसर पर उनकी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। ये तस्वीरें पुराने समय की हैं, जिनमें कुछ फोटोज में अभिनेता भी साथ में दिख रहे हैं। हालांकि, सभी तस्वीरें कुछ कहानियां कहती दिख रही हैं।इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अनुपम खेर ने एक प्यारा सा नोट भी लिखा है। उन्होंने कहा, 'जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं किरन। हर साल तुम्हारे जन्मदिन पर नई तस्वीरें ढूंढ़ना एक चुनौती बन जाता है। लेकिन अंत में मैं वही पुरानी तस्वीरें चुनता हूं, क्योंकि वे ही तुम्हारे व्यक्तित्व को सबसे खूबसूरती से दर्शाती हैं- मस्तमौला, खूबसूरत, सुरुचिपूर्ण, सहज, प्रेमपूर्ण, दयालु, करुणाशील, और कभी-कभी धैर्यवान भी, लेकिन हमेशा जिंदादिल और मेर जीवन का एक अहम हिस्सा हो। ईश्वर तुम्हें लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन दे। तुम्हारा चेहरा हमेशा मुस्कुराता रहे और मन शांत बना रहे, ढेर सारा प्यार और दिल से प्रार्थनाएं।'अनुपम खेर जल्द ही फिल्म मेट्रो इन दिनों में नजर आएंगे। 'मेट्रो इन दिनों' एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे अनुराग बसु ने लिखा और निर्देशित किया है। यह बसु की 'लाइफ इन ए मेट्रो' (2007) का सीक्वल है। इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

दिशा पाटनी हुई 33 की, महज रु500 लेकर पहुंचीं मुंबई,किराया निकालना भी था मुश्किल, बदसूरत कहने पर भड़कीं, बायसेक्शुअल बॉयफ्रेंड ने दिया धोखा तो किया ब्रेकअप

नयी दिल्ली। दिशा पाटनी बॉलीवुड की सबसे फिट और ग्लैमरस एक्ट्रेस मानी जाती हैं। उनके बोल्ड अंदाज और स्टाइलिश लुक के लिए कई लोग उन्हें नेशनल क्रश भी कहते हैं। 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में प्रियंका झा के किरदार से दिशा ने सबका दिल जीता, वहीं 'मलंग', 'भारत' और 'राधे' जैसी फिल्मों से उन्होंने पॉपुलैरिटी हासिल की।दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। वो एक कुमाऊंनी राजपूत परिवार से हैं। उनके पिता जगदीश सिंह पाटनी यूपी पुलिस में डीएसपी रह चुके हैं और मां स्वास्थ्य विभाग में अधिकारी। उनकी बड़ी बहन खुशबू पाटनी भारतीय सेना की पूर्व मेजर हैं और एक छोटा भाई सूर्यांश भी है।दिशा पाटनी को लोग भले ही फैशन आइकॉन मानते हों, लेकिन खुद दिशा इस टैग को मानने से इनकार करती हैं। रेडिफ को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'मैं थोड़ी टॉम बॉय हूं। बचपन में मेरे बाल आर्मी कट हुआ करते थे और मैं लड़कों जैसी दिखती थी।' उन्होंने बताया था कि उन्हें आरामदायक कपड़े पहनना पसंद हैं, जैसे बास्केटबॉल शॉर्ट्स, लूज हूडी और टी-शर्ट।दिशा शुरू से पढ़ाई में तेज थीं। उन्होंने एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ से बायोटेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग शुरू की थी, लेकिन दूसरे साल में ही ग्लैमर की दुनिया में किस्मत आजमाने के लिए पढ़ाई छोड़ दी।2018 में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में अपने शुरुआती संघर्षों को याद करते हुए दिशा पाटनी ने कहा था, 'मैं बहुत पॉजिटिव इंसान

हूं। शायद उस वक्त मैं तैयार नहीं थी। मैंने अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी और मुंबई आ गई थी। एक कॉलेज की लड़की के लिए एक नए शहर में आना, जहां कोई जान-पहचान न हो, आसान नहीं था। मैं अकेले रह रही थी, अपने पैसे खुद कमा रही थी और कभी भी अपने परिवार से पैसे नहीं मांगे। मैं सिर्फ रु500 लेकर मुंबई आई थी और कुछ समय बाद मेरे पास बिल्कुल भी पैसे नहीं बचे थे।' दिशा पाटनी ने आगे कहा था, 'मैं बहुत सारे ऑडिशन देती थी, ज्यादातर टीवी विज्ञापनों के लिए। मेरे ऊपर लगातार ये प्रेशर होता था कि अगर इस महीने कोई काम नहीं मिला, तो किराया कैसे दूंगी। उस समय मुझे जो भी काम मिला, वो सिर्फ काम था, जब तक कि मुझे एक्टिंग से प्यार नहीं हो गया।' दिशा पाटनी ने ये भी कहा था कि उन्हें करियर की शुरुआत में कई रिजेक्शन झेलने पड़े। उनकी पहली फिल्म से भी उन्हें हटा दिया गया था, लेकिन वह मानती हैं कि हर रिजेक्शन इंसान को मजबूत बनाता है।साल 2011 में दिशा ने मिस लखनऊ कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। साल 2013 में उन्होंने 'फेमिना मिस इंडिया इंदौर' में हिस्सा लिया और फर्स्ट रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने कई ऐड किए। 2015 में उन्होंने तेलुगु फिल्म 'लोफर' से एक्टिंग डेब्यू किया।टाइगर श्रॉफ और दिशा की जोड़ी हमेशा सुर्खियों में रही। हालांकि टाइगर से पहले दिशा ने टीवी एक्टर पार्थ समथान को डेट किया था। स्पॉटबॉय की रिपोर्ट के अनुसार, दिशा पाटनी और पार्थ समथान का रिश्ता लगभग तीन साल चला। शुरुआत में सबकुछ ठीक था। पार्थ उस समय टीवी इंडस्ट्री में नाम कमा चुके थे, जबकि दिशा स्ट्रगल कर रही थीं। पार्थ ने न सिर्फ दिशा का साथ दिया, बल्कि आर्थिक मदद भी की, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, रिश्ते में परेशानियां आने लगीं।पार्थ बहुत ज्यादा पजेसिव हो गए थे। वह दिशा का फोन चेक करते थे। बाद में जब दिशा को पार्थ की बेवफाई का पता चला, तो उन्होंने भी पार्थ का फोन चेक करना शुरू किया। एक बार दिशा ने उन्हें माफ कर दिया, लेकिन दूसरी बार उन्होंने रिश्ता तोड़ने का फैसला कर लिया। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दिशा और पार्थ के ब्रेकअप की वजह टीवी प्रोड्यूसर विकास गुप्ता को बताया जाता है। दरअसल, 2016 में पार्थ ने विकास पर मॉलेस्टेशन के आरोप लगाए थे, जबकि दोनों गे रिलेशनशिप में थे। विकास गुप्ता ने खुद को बायसेक्शुअल बताया था और ये भी बताया था कि वो पार्थ समथान और प्रियांक शर्मा दोनों के साथ रिश्ते में थे। वहीं, 2016 में एकता कपूर ने डीएनए को बताया था कि पार्थ और विकास एक-दूसरे के काफी करीब थे और रिलेशनशिप में थे। पार्थ ने विकास पर 7 दिसंबर, 2013 को अनुचित तरीके से छूने का आरोप लगाया, लेकिन 20 दिन बाद ही वो दोनों बैंकॉक में छुट्टियां मना रहे थे। एकता ने कहा था, 'मैं भी वहीं न्यू ईयर मनाने गई थी और मैंने पार्थ के कई वीडियो देखे हैं, जिसमें वो विकास से प्यार जताते हैं।' पार्थ बायसेक्शुअल हैं और उनका दिशा के साथ-साथ उस दौरान विकास से भी अफेयर चल रहा था। ऐसे में जब ये बात दिशा को पता चली कि पार्थ उन्हें चीट कर रहे हैं तो उन्होंने इस रिलेशनशिप को खत्म करने का डिसीजन ले लिया। हालांकि, पार्थ समथान ने कभी सार्वजनिक रूप से अपनी सेक्सुअल आइडेंटिटी के बारे में कुछ नहीं कहा। उन्होंने विकास गुप्ता के साथ रिश्ते की बात को भी साफ तौर पर नकार दिया है।पार्थ से ब्रेकअप के बाद दिशा ने टाइगर को डेट किया। दोनों की दोस्ती 2016 में 'बेफिकरा' म्यूजिक वीडियो से शुरू हुई। आगे 'बागी 2' और 'बागी 3' (केमियो) में साथ काम कर दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री मजबूत हुई। वे अक्सर पार्टीज और छुट्टियों में साथ दिखे, जिससे अफवाहें तेज हो गईं। हालांकि, दोनों ने रिलेशनशिप को कभी ऑफिशियल नहीं किया।रिपोर्ट्स के अनुसार, दिशा शादी चाहती थीं, लेकिन टाइगर तैयार नहीं थे। इसके बावजूद दिशा टाइगर के परिवार से जुड़ी रहीं। नवंबर 2023 में टाइगर ने कहा था कि फिलहाल वो सिंगल हैं और काम पर ध्यान दे रहे हैं।जून 2021 में मुंबई पुलिस ने दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के खिलाफ कोविड नियमों का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की थी। मामला तब सामने आया था जब दिशा और टाइगर लॉकडाउन के दौरान जिम सेशन के बाद कार ड्राइव पर निकले थे। पुलिस ने जब उनसे बाहर निकलने का कारण पूछा, तो वे कोई जवाब नहीं दे सके। उस समय लॉकडाउन के नियम सख्त थे। 2019 में दिशा पाटनी सलमान खान की फिल्म 'भारत' के गाने 'स्लो मोशन' में दिखीं, जो जबरदस्त हिट रहा।इसके बाद सलमान ने दिशा को 2021 की फिल्म राधे में बतौर एक्ट्रेस लिया। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान आमतौर पर फिल्मों में किसिंग सीन से बचते हैं, लेकिन उनकी फिल्म 'राधे' में एक ऐसा सीन था जिसे लोगों ने किस सीन कहा। इस फिल्म में सलमान दिशा को किस करते हैं, लेकिन ये किस बिल्कुल भी पारंपरिक नहीं था। टाइगर के बाद दिशा का नाम सर्बियन मॉडल अलेक्जेंडर इलिक से जुड़ा। दोनों को कई बार साथ देखा गया, लेकिन दिशा ने इस रिश्ते को लेकर कुछ नहीं कहा। सबसे खास बात ये है कि अलेक्जेंडर के हाथ पर दिशा पाटनी का टैटू भी बना है। यह टैटू दिशा के चेहरे की स्पष्ट छवि को दर्शाता है।2022 में दिशा 'एक विलेन रिटर्न्स' में नजर आईं, लेकिन फिल्म फ्लॉप हो गई। 2024 में फिल्म 'योद्धा' में दिशा ने एक आतंकवादी का रोल निभाया। उनके एक्शन सीन्स की तारीफ हुई, पर फिल्म नहीं चली। 2024 में दिशा की तेलुगु फिल्म 'काल्कि 2898 ए.डी.' आई, जिसमें वो प्रभास के साथ थीं। ये फिल्म ?1200 करोड़ से ज्यादा कमा कर साल की सबसे बड़ी हिट बनी और 'मलंग' के बाद दिशा की पहली बड़ी हिट। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म 'कंगुवा' में सूर्या के साथ काम किया। हालांकि फिल्म में दिशा का रोल बहुत छोटा बताया गया।

पांच साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं काजोल,बोलीं- 34 साल लंबे करियर में आज भी मेरी फिल्म पर्दे पर आ रही है, खुद पर प्राउड हूं

नयी दिल्ली। 27 जून को काजोल फिल्म 'मां' के जरिए बड़े पर्दे पर अपना कमबैक कर रही हैं। वो पांच साल के गैप के बाद स्क्रीन पर दिखने वाली है। इस बीच में उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू किया और कई अच्छे प्रोजेक्ट्स में नजर आईं। दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में काजोल ने अपने कमबैक, ओटीटी के बढ़ते प्रभाव और पति अजय के साथ काम करने को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है।वैसे तो पता नहीं लेकिन आपके मुंह में घी-शक्कर। हम जरूर आपकी विश पूरी करने की कोशिश करेंगे।अजय बहुत अच्छे और जिम्मेदार प्रोड्यूसर हैं। वो बहुत ज्यादा इंवॉल्वड रहें। वो उन प्रोड्यूसर में से नहीं हैं कि चलो बस पेपर साइन कर दिया। स्क्रिप्ट, फिल्म का क्लाईमैक्स, वीएफएक्स इन सबमें अजय बहुत ज्यादा शामिल थे। वीएफएक्स तो एक अलग ही फिल्म है, जिसमें आपको सब कुछ इमेजिन करना पड़ता है। अजय ने सब कुछ अच्छे से किया।मैं बहुत ज्यादा डरती हूं इसलिए मैं हॉरर फिल्में देखती नहीं हूं। हॉरर फिल्म में काम कर लिया है, तो इसे तो अब देखना पड़ेगा। मैं बहुत बहादुर हूं। मेरे अंदर साहस ज्यादा है। मुझे कोई बोले कि किसी बिल्डिंग, गराज या किसी जगह अकेले चली जाओ तो मैं जाती हूं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। मैंने जिंदगी

में ज्यादा हॉरर फिल्में देखी नहीं हैं तो ऐसी चीजें मुझे नहीं डराती हैं। मैंने अब तक हॉरर जॉर को अपनी जिंदगी से दूर ही रखा है लेकिन अब ये फिल्म मुझे देखनी पड़ेगी।बहुत सारी चीजें और कई बार हुई हैं। इसके लिए अलग से एक इंटरव्यू करना पड़ेगा। जैसे कहते हैं ना कि दुनिया में कई सारी चीजें हैं, जो हमें पता भी नहीं है। मैं ऐसा नहीं कहूंगी कि बिल्कुल नहीं है या ऐसी चीजें हैं। लेकिन कुछ को है, जिसकी वजह से हम अजीब या अलग महसूस करते हैं।मेरी मां ने जो सबसे स्मार्ट और इंटेलिजेंट चीज की कि उन्होंने कभी मुझ पर धर्म थोपा नहीं। मां ने बचपन से सिखाया कि भगवान हर जगह होता है। आप कहीं पर भगवान को देख सकते हो और भगवान भी आपको देख रहा है। आप उनसे कभी भी बात कर सकते हो और उनका हाथ हमेशा आपके सिर पर रहेगा। उन्होंने सबसे बड़ी बात जो कही थी कि भगवान मां की तरह होता है। वो हमेशा आपको प्रोटेक्ट करेगा। जैसे आप अपनी मां के सामने गलती करके माफी मांगते हो। ठीक वैसे ही भगवान के साथ होता है। आपकी गलती के लिए वो आपको सजा नहीं देता है।जी बिल्कुल, मुझे लगता है कि हर एक्टर को अपने आप को री इन्वेंट करना पड़ता है। एक ही तरह का काम कर-करके हम भी थक जाते हैं। ऑडियंस भी हमें एक रोल में देखकर थक जाती है। ऐसे में हर एक्टर को अपने आपको अलग-अलग रूप में दिखाना पड़ता है। मैं हॉरर जोनर और एक्शन पहली बार कर रही हूं। ये मेरे लिए बहुत बड़ा कदम है। हमने एक दिलचस्प पिक्चर बनाई है।हां, मैंने जो भी किया बहुत सोच समझकर किया है। मुझे लगता है कि मैं इंटेलिजेंट हूं। मैं चाहती हूं कि मैं जब अपने काम को देखूं तो उसकी इज्जत करूं। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि जब मैं अपने काम को देखूं तो बोल सकूं कि मैं अपनी फैसले की इज्जत करती हूं। वो अच्छा, बुरा जो भी निकले लेकिन वो काम मेरा है।मुझे नहीं लगता कि ओटीटी के आने से कमर्शियल सिनेमा पिछड़ा है। आप आजकल की हिट फिल्मों का कलेक्शन देखेंगे तो वो पहले की तुलना में काफी ज्यादा हैं। हां, बदलाव जरूर आया है। ओटीटी की वजह से अलग-अलग तरह की फिल्में बन रही हैं। ओटीटी ने आपको सिनेमा का अलग रूप दिखाया है और ये काफी अच्छा है। काफी लंबे समय के बाद स्क्रीन पर मेरी फिल्म आ रही है।

साउथ अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड चैंपियन, डब्लूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, 27 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट जीता

नयी दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली है। टीम ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। साउथ अफ्रीका की टीम क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। इतना ही नहीं, टीम ने 27 साल के बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीत लिया है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में मैच के चौथे दिन लंच से पहले साउथ अफ्रीका ने 282 रन का टारगेट 5 विकेट पर हासिल कर लिया। ऐडन मार्करम ने 136 रन बनाए, जबकि टेम्बा बावुमा ने 66 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और साउथ अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।दोनों टीमों की प्लेइंग-11 साउथ अफ्रीकाः टेम्बा बावुमा (कप्तान), रायन रिकेल्टन, ऐडन मार्करम, वियान मुल्डर, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरियन (विकेटकीपर), मार्को यानसन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी। ऑस्ट्रेलियाः पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन,

कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड।84वें ओवर की तीसरी बॉल पर काइल वेरियन को जीवनदान मिला। मिचेल स्टार्क के ओवर की तीसरी बॉल वेरियन के बैट का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के दस्तानों पर गई। कैच हुआ, लेकिन फील्ड अंपायर्स ने वेरियन को नॉटआउट करार दिया। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस रिव्यू नहीं ले सके, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने सभी रिव्यू पहले ही गंवा दिए थे।81वें ओवर की आखिरी बॉल पर साउथ अफ्रीका ने 5वां विकेट गंवाया। यहां ऐडन मार्करम 136 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ट्रैविस हेड ने शॉर्ट मिडविकेट पर कैच किया।साउथ अफ्रीकी पारी के 80 ओवर पूरे होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने नई बॉल की मांग की।बॉल बदलने के बाद उन्होंने जोश हेजलवुड को ओवर सौंपा।282 रन का टारगेट चेज कर रही साउथ अफ्रीका ने 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। 75वें ओवर की पहली बॉल पर बेडिंघम ने एक रन लेकर टीम स्कोर 250 पार पहुंचाया।71वें ओवर साउथ अफ्रीका ने चौथा विकेट गंवा दिया है। यहां ट्रिस्टन स्टब्स 8 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने अपने ओवर की तीसरी बॉल पर बोल्ड कर दिया।पिछली बॉल पर स्टब्स विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच होने से बचे थे। यहां ऑस्ट्रेलिया ने रिव्यू भी गंवाया।69वें ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स रन आउट होने से बच गए। उन्होंने मिचेल स्टार्क के ओवर की आखिरी बॉल पर मिड ऑफ की ओर से खेला और रन लेने के लिए निकल पड़े। पैट कमिंस ने तेजी से आकर बॉल नॉन स्ट्राइक एंड पर थ्रो की। यह थ्रो स्टंप पर नहीं लगा और स्टब्स आउट होने से बच गए। अगर बॉल स्टंप पर लगती तो स्टब्स को पवेलियन लौटना पड़ता।साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा 66 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें 59वां ओवर डाल रहे पैट कमिंस ने कैच आउट कराया और शतकीय साझेदारी को तोड़ी। ओवर की आखिरी बॉल पर बावुमा को एलेक्स कैरी ने कैच किया।

स्मिथ ने बावुमा का कैच छोड़ा, इंजर्ड भी हुएःमार्करम आईसीसी फाइनल में सेंचुरी लगाने पहले साउथ अफ्रीकी, काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

नयी दिल्ली। साउथ अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन (डब्लूटीसी) बनने से महज 69 रन से दूर है। उनके पास 8 विकेट भी बाकी हैं। टीम तीसरे दिन डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने के करीब पहुंच गई। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के प्लेयर्स अहमदाबाद प्लेन हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधकर उतरे। स्टीव स्मिथ ने टेम्बा बावुमा का कैच छोड़ा, उन्होंने फिफ्टी लगा दी। कैच छूटने के दौरान स्मिथ के उंगली भी चोटिल हो गई, जिस कारण वे फील्डिंग नहीं कर सके। वहीं ऐडन मार्करम आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में शतक बनाने वाले साउथ अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने। काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे प्लेयर्स तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और दर्शकों ने 2 मिनट का मौन रखा। साथ ही सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर भी खेलने उतरे। 12 जून को अहमदाबाद के प्लेन हादसे में जान

गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा किया गया।ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने नंबर-9 पर बैटिंग करते हुए फिफ्टी लगा दी। वे 58 रन बनाकर नॉटआउट रहे। स्टार्क ने नंबर-9 या उससे नीचे की पोजिशन पर बैटिंग करते हुए टेस्ट में 8वीं फिफ्टी लगाई। नंबर-9 या उससे नीचे बैटिंग करने वाले खिलाड़ियों में यह सबसे ज्यादा फिफ्टी का रिकॉर्ड है। उनके बाद इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड ने 6 फिफ्टी लगाई हैं।ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में अपने 7 विकेट महज 73 रन पर गंवा दिए थे। इसके बावजूद टीम 218 तक पहुंचने में कामयाब रही। 75 रन बनने से पहले 7 विकेट गिरने के बाद टेस्ट इतिहास में तीसरी बार ही 200 रन बने। ऑस्ट्रेलिया से पहले पाकिस्तान ने 53 और इंग्लैंड ने 67 रन पर 7 विकेट गंवाने के बाद 200 रन का स्कोर बनाया था। 20वें ओवर में स्टीव स्मिथ ने साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा का कैच छोड़ा। ओवर की दूसरी बॉल मिचेल स्टार्क ने शॉर्ट पिच फेंकी, बावुमा डिफेंड करने गए, लेकिन गेंद फर्स्ट स्लिप की ओर चली गई। आगे की ओर खड़े स्मिथ ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद बहुत तेजी से उनके कंधे पर जा लगी। स्मिथ ने हाथ अड़ाने की कोशिश की, लेकिन गेंद छूट गई। कैच छूटने के दौरान स्मिथ के दाएं हाथ की छोटी उंगली चोटिल भी हो गई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि स्मिथ अब मैच में फील्डिंग करने नहीं उतरेंगे। जीवनदान के वक्त बावुमा 2 रन पर थे, उन्होंने फिफ्टी लगा दी और ऐडन मार्करम के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप भी कर ली। साउथ अफ्रीका टीम अपने क्रिकेट इतिहास में तीसरा ही आईसीसी मेंस टूर्नामेंट का फाइनल खेल रही है। टीम ने इससे पहले 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला खेला था। हालांकि, दोनों ही मुकाबलों में टीम से कोई भी प्लेयर्स शतक नहीं लगा सका। ऐडन मार्करम ने डब्लूटीसी फाइनल में शतक लगाया। इसी के साथ वे आईसीसी फाइनल में सेंचुरी लगाने वाले साउथ अफ्रीका के पहले प्लेयर बन गए। उनसे पहले 1998 में हांसी क्रोन्या ने 61 और 2024 में हेनरिक क्लासन ने 52 रन बनाए थे।

बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव,गेंद को एक बार ही हवा में उछाल सकेंगे; अक्टूबर 2026 में एमसीसी में शामिल

नयी दिल्ली।मेरीलेबोन

क्रिकेट क्लब ने बाउंड्री पर कैच पकड़ने के नियमों में बदलाव किए हैं। ये बाउंड्री से बाहर जाकर बॉल उछालने पर लिए जाने वाले कैच से संबंधित हैं। यह बदलाव एमसीसी अक्टूबर 2026 से शामिल करेगा, जबकि आईसीसी अगले महीने से इस नियम को शामिल कर लेगा। 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच होने वाले टेस्ट से यह नियम लागू हो जाएगा।बाउंड्री के बाहर जाकर बॉल उछाली तो 2 कंडीशन रहेंगी पहली- पहले कई मौकों पर बाउंड्री पर खड़े खिलाड़ी हवा में जा रही गेंद को एक बार बाउंड्री के अंदर रहते हुए उछाल देते थे, फिर बाउंड्री पार करके हवा में उछाल देते थे और बाउंड्री के अंदर आकर कैच ले लेते थे। अब इसे कैच नहीं माना जाएगा और बल्लेबाज को रन मिलेगा।दूसरी- किसी खिलाड़ी ने बाउंड्री के बाहर जाकर हवा में उछलकर बॉल अंदर फेंकी, फिर दूसरे खिलाड़ी ने कैच किया तो यह तभी मान्य होगा जब बॉल उछालने वाला खिलाड़ी भी बाउंड्री के अंदर हो।2023 में बिग बैश लीग में माइकल नेसेर ने बाउंड्री पर एक कैच पकड़ा था, जिस पर सवाल उठे थे। इसके बाद ही आईसीसी ने मेरीलेबोन क्रिकेट क्लब को कैच के नियमों की समीक्षा करने के लिए कहा था। नेसेर के कैच के बारे में बताते हुए एमसीसी ने कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बनी हॉप' किया। बनी हॉप मतलब जब कोई खिलाड़ी बाउंड्री के बाहर जाने के बाद हवा में उछलकर गेंद को अंदर फेंककर कैच पकड़ता है। हालांकि यह नियम के मुताबिक था, लेकिन नोट में कहा गया कि ऐसा लगा कि हकीकत में फील्डर ने बाउंड्री के काफी बाहर जाकर गेंद को उछाला और फिर कैच लिया था। साल 2020 में बीबीएल हॉबर्ट हरिकेंस और ब्रिसबेन हीट के बीच खेले गए मैच के दौरान भी मैथ्यू वेड के बाउंड्री पर कैच आउट होने को लेकर सवाल उठे थे। दरअसल पहली पारी में हॉबर्ट हरिकेंस के कप्तान वेड ने 15वें ओवर की चौथी गेंद पर बाउंड्री पर शॉट खेल दिया। बाउंड्री पर खड़े ब्रिसबेन हीट के मैट रैनशॉ ने हवा में उड़कर गेंद को अंदर की ओर फेंक दिया, जिसे उनके साथी खिलाड़ी टॉम बंटन ने कैच कर लिया। थर्ड अंपायर ने वेड को आउट करार दिया। हालांकि मैट रैनशॉ बाउंड्री के बाहर ही गिर गए। इस कैच को लेकर भी सवाल उठे थे। आईसीसी ने वनडे में 2 नई गेंदों के इस्तेमाल का नियम लागू किया। इसके तहत 34 ओवर तक दोनों छोर से अलग-अलग गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके बाद 35 से 50 ओवर तक दोनों छोर से सिर्फ एक गेंद का इस्तेमाल किया जाएगा। फील्डिंग टीम 35 से 50 ओवर के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दो गेंदों में से एक का चयन करेगी। वहीं, कोई वनडे मैच बारिश या किसी और वजह से 25 ओवर से कम का खेला जाता है तो दोनों पारियों में सिर्फ 1-1 गेंद का ही इस्तेमाल होगा। यह नियम 2 जुलाई से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेली जाने वाली वनडे सीरीज से लागू होगा।अब टीमों को मैच शुरू होने से पहले मैच रेफरी को पांच कन्कशन रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों के नाम बताने होंगे। इनमें से एक विकेटकीपर, एक बल्लेबाज, एक तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक ऑलराउंडर होगा। अगर किसी खिलाड़ी को सिर में चोट लगती हैतो उसकी जगह दूसरा खिलाड़ी खेले तो इसे कन्कशन रिप्लेसमेंट कहते हैं। पुराने नियम में खिलाड़ी रिटायर्ड हर्ट होता था तो उसी समय तय किया जाता था कि रिप्लेसमेंट के तौर पर किसे भेजा जाएगा। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच 17 जून से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। इससे ही नए नियम लागू होंगे।

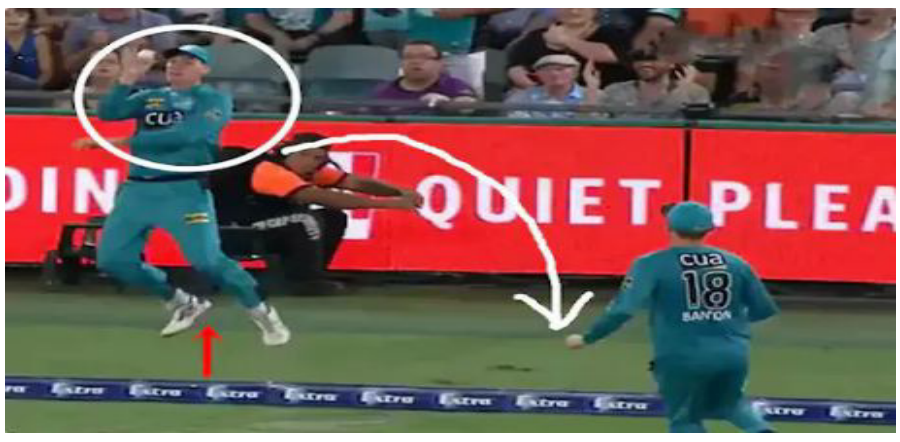

कोविड के बाद बढ़ रहे हेपेटाइटिस केसेजःइसके लक्षणों को लेकर रहें सचेत

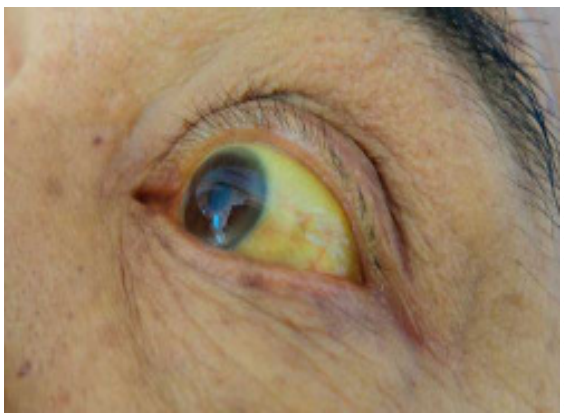

नयी दिल्ली। केरल में हेपेटाइटिस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। केरल का त्रिशूर जिला इसके संक्रमण का केंद्र बन गया है, जहां मामले इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं कि स्थानीय लोग घबरा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने आपातकालीन चेतावनी जारी की है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। इस साल अप्रैल के अंत तक केरल में हेपेटाइटिस के 3,227 मामले सामने आए हैं और 16 मौतें हो चुकी हैं। इसमें एर्नाकुलम, मलप्पुरम और कोझिकोड सबसे ज्यादा प्रभावित जिले रहे हैं। अब त्रिशूर संक्रमण का नया केंद्र बन गया है। पिछले साल केरल में हेपेटाइटिस-ए के 7,943 मामले दर्ज हुए थे और 81 लोगों की मौत हुई थी। विश्व स्वास्थ्य

संगठन के मुताबिक, किसी संक्रमण से होने वाली मौतों के लिए ट्यूबरकुलोसिस के बाद हेपेटाइटिस दूसरी सबसे बड़ी वजह है। इससे हर साल लगभग 13 लाख लोगों की मौत होती है। इसका मतलब है कि हेपेटाइटिस से दुनिया में हर दिन लगभग 3500 लोगों की मौत होती है। केरल में अचानक तेजी से बढ़ रहे मामले चिंता का विषय बन गए हैं।हेपेटाइटिस लिवर में होने वाला इंफ्लेमेशन है, जो वायरस, टॉक्सिन्स या ऑटोइम्यून बीमारियों के कारण होता है। इंफ्लेमेशन हमारे शरीर का इंफेक्शन या इंजरी के प्रति रिस्पॉन्स है। यह एक गंभीर कंडीशन है, जिससे लिवर को काफी नुकसान हो सकता है।आमतौर पर हेपेटाइटिस 2 तरह का होता है- एक्यूटः यह अल्पकालिक होता है, जो लगभग 6 महीने में ठीक हो सकता है। 2. क्रॉनिकः यह लंबे समय तक बना रहता है।इसके अलावा इसे 5 और तरह से बांटा जाता है, हेपेटाइटिस ए, बी,सी,डी, और ई। हेपेटाइटिस के कारण शुरुआत में थकान, पेट के दाहिनी ओर दर्द, भूख न लगना, दस्त और हल्के बुखार जैसे लक्षण दिख सकते हैं। क्रॉनिक हेपेटाइटिस में लक्षण गंभीर हो सकते हैं।हेपेटाइटिस अलग-अलग तरीकों से फैलता है। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन या गंदे पानी के कारण फैल सकता है। जबकि, हेपेटाइटिस बी और सी खून के संपर्क से जैसे नीडल शेयर करने से, अनसेफ सेक्स से या जन्म के दौरान मां से बच्चे में फैल सकता है। हेपेटाइटिस डी तब होता है, जब किसी को पहले से हेपेटाइटिस बी है, क्योंकि इसे बी वायरस की जरूरत होती है। गर्मी और बरसात में हेपेटाइटिस ए और ई के मामले इसलिए बढ़ जाते हैं, क्योंकि गर्मियों में साफ पीने के पानी की समस्या हो जाती है। खाना जल्दी खराब हो जाता है। असल में गर्म मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, खासकर गंदगी वाले स्ट्रीट फूड या दूषित पानी में ये और तेजी से पनप सकते हैं। पानी की कमी या खराब जल आपूर्ति से भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए गर्मियों में साफ पानी पीना और स्वच्छ भोजन करना बहुत जरूरी है।सभी तरह के हेपेटाइटिस खतरनाक नहीं होते हैं, जबकि कुछ गंभीर हो सकते हैं। हेपेटाइटिस ए आमतौर पर हल्का होता है और अक्सर सामान्य इलाज से ही ठीक हो जाता है। हेपेटाइटिस बी और सी क्रॉनिक हो सकते हैं, जिससे सिरोसिस, लिवर कैंसर या लिवर फेल्योर का खतरा हो सकता है। हेपेटाइटिस डी और ई भी गंभीर हो सकते हैं, खासतौर पर जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर है। टॉक्सिक और ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस भी लिवर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सही समय पर इलाज और देखभाल से जोखिम कम किया जा सकता है। हां, हेपेटाइटिस का इलाज संभव है, लेकिन यह हेपेटाइटिस के प्रकार पर निर्भर करता है। हेपेटाइटिस ए का इलाज आसानी से हो सकता है। हेपेटाइटिस सी को डायरेक्ट-एक्टिंग एंटीवायरल दवाओं से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। हेपेटाइटिस बी का क्रॉनिक रूप पूरी तरह ठीक नहीं होता है, लेकिन एंटीवायरल दवाओं से इसे काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। अगर टॉक्सिक हेपेटाइटिस है तो इलाज के साथ शराब या टॉक्सिन्स से बचना जरूरी है। इनके गंभीर मामलों में लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है।हां, हेपेटाइटिस ए और बी से बचाव के लिए प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध हैं। ये वैक्सीन बच्चों और वयस्कों को दी जा सकती हैं। इसकी वैक्सीन उन लोगों को जरूर लगवानी चाहिए, जिन्हें इसका जोखिम ज्यादा रहता है, जैसे कोई स्वास्थ्यकर्मी है। हेपेटाइटिस सी ,डी , और ई के लिए अभी तक कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। वैक्सीनेशन के साथ-साथ स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है, जैसे साफ पानी पीना और सेफ सेक्स का ध्यान रखें। अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके वैक्सीनेशन शेड्यूल कर सकते हैं और जरूरतों के बारे में जानकारी ले सकते हैं, ताकि आप सुरक्षित रहें। कुछ तरह के हेपेटाइटिस संक्रामक होते हैं। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन या पानी से फैल सकते हैं। हेपेटाइटिस बी और सी खून, अनसेफ सेक्स या शेयर्ड नीडल के जरिए फैलते हैं। हेपेटाइटिस बी जन्म के दौरान मां से बच्चे में भी जा सकता है।अगर हेपेटाइटिस बहुत लंबे समय तक बना रहे या संक्रमण बहुत गंभीर हो जाए तो यह कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैंः सिरोसिस- यह लिवर में होने वाला घाव या स्कार होता है। अगर लिवर में बार-बार डैमेज हो रहा है और खुद इसे रीजनरेट करके ठीक करने की कोशिश करता है, तो उसमें निशान यानी घाव बन जाते हैं। यह एक गंभीर लिवर प्रॉब्लम है। लिवर कैंसर- हैपेटाइटिस बी और सी वायरस से होने वाली सिरोसिस से लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। यह लिवर कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लगभग आधे केस इन्हीं वायरस के कारण होते हैं।लिवर फेल्योर- जब लिवर पूरी तरह काम करना बंद कर देता है तो उसे लिवर फेल्योर कहते हैं। अगर वायरल हेपेटाइटिस तेजी से लिवर को नुकसान पहुंचा रहा है, तो यह कभी यह अचानक से फेल हो सकता है। लंबे समय तक सिरोसिस रहने से भी ऐसा हो सकता है। पोर्टल हाईपरटेंशन- जब सिरोसिस के कारण लिवर में ब्लड सप्लाई करने वाली मुख्य नसों में रुकावट आ जाती है तो खून का दबाव बढ़ जाता है। इसे पोर्टल हाईपरटेंशन कहते हैं।

वर्ल्ड ब्लड डोनर डे आजःरक्तदान के 6 बड़े मिथ और सच्चाई, एक्सपर्ट से जानें इसके फायदे, कौन कर सकता है रक्तदान

नयी दिल्ली। आज दुनियाभर में 'वर्ल्ड ब्लड डोनर डे' मनाया जा रहा है। इस साल की थीम 'गिव ब्लड गिव होप' यानी 'रक्त दें, उम्मीद दें' है। यह दिन महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर की याद में मनाया जाता है। उन्होंने एबीओ ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज कर मेडिकल साइंस को नई दिशा दी थी। रक्तदान एक ऐसा मानवीय कार्य है, जो किसी जरूरतमंद को नई जिंदगी दे सकता है। हालांकि आज भी समाज में इससे जुड़ी कई गलतफहमियां मौजूद हैं। कई लोगों को लगता है कि खून देने से शरीर कमजोर हो जाएगा, चक्कर आएंगे या सेहत बिगड़ जाएगी। वहीं कुछ मानते हैं कि सिर्फ जवान, ताकतवर या पूरी तरह फिट लोग ही रक्तदान कर सकते हैं। तो चलिए, आज जरूरत की खबर में बात ब्लड डोनेशन को लेकर प्रचलित मिथक और उनकी सच्चाई के बारे में। साथ ही जानेंगे कि- कौन लोग ब्लड डोनेट कर सकते हैं? स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में हर साल करीब 1.46 करोड़ यूनिट ब्लड की जरूरत होती है, लेकिन करीब 10 लाख यूनिट की कमी बनी रहती है। इस कमी का बड़ा कारण सिर्फ जागरूकता की कमी ही नहीं है, बल्कि रक्तदान को लेकर फैली अनेक भ्रांतियां और डर भी हैं। बहुत से लोग गलत धारणाओं के कारण इस जरूरी और जीवनरक्षक कार्य से दूर रहते हैं।ब्लड डोनेशन से पहले डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ कुछ जरूरी जांच करते हैं। जैसेकि- हार्टबीट सामान्य है या नहीं। बॉडी टेम्परेचर और ब्लड प्रेशर सामान्य है या नहीं। ब्लड में आयरन की मात्रा ठीक है या नहीं। इन जांचों से ब्लड डोनर और ब्लड रिसीवर दोनों सुरक्षित रहते हैं। ये जांचें आमतौर पर कुछ मिनटों में हो जाती हैं।नियमित रूप से ब्लड देने से शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है। ज्यादा आयरन जमा होने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है, जिससे हार्ट हेल्थ बेहतर होती है। एक और बड़ा फायदा यह है कि ब्लड डोनेशन से पहले बेसिक हेल्थ चेकअप होता है। इसमें वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन और ब्लड में किसी इन्फेक्शन की जांच की जाती है। इससे अपनी सेहत की शुरुआती जानकारी मिलती रहती है, जो आमतौर पर हम रोजमर्रा की जिंदगी में नहीं करवाते हैं।हर कोई ब्लड डोनेट नहीं कर सकता है। इसके लिए कुछ जरूरी शर्तें होती हैं, जो यह तय करती हैं कि आप ब्लड डोनेट के लिए फिट हैं या नहीं। उदाहरण के लिए आपकी उम्र, वजन, सेहत और हाल की मेडिकल हिस्ट्री को ध्यान में रखा जाता है। ब्लड डोनेट एक सरल प्रक्रिया है, लेकिन इसके पहले और बाद में कुछ छोटी-छोटी सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। इससे न सिर्फ डोनर सुरक्षित रहता है, बल्कि रक्तदान का अनुभव भी बेहतर बनता है।ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और इन्फेक्शन-फ्री बनाए रखने के लिए ब्लड बैंक कई सख्त सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करता हैं।डिस्पोजेबल सुई और कलेक्शन किट का इस्तेमाल हर डोनर के लिए एक बार इस्तेमाल होने वाली सुई और ब्लड बैग का प्रयोग किया जाता है, जिसे डोनेशन के तुरंत बाद सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया जाता है। इससे इन्फेक्शन का कोई खतरा नहीं रहता है।रक्तदान से पहले डोनर का वजन, तापमान, ब्लड प्रेशर, पल्स और हीमोग्लोबिन की जांच की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डोनर फिट है।ब्लड डोनेशन से पहले और बाद में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी उपकरणों को सैनिटाइज किया जाता है। स्टाफ भी हैंड ग्लव्स पहनता है।ब्लड कलेक्शन का पूरा काम प्रशिक्षित डॉक्टरों और नर्सों की निगरानी में किया जाता है ताकि किसी भी इमरजेंसी को तुरंत संभाला जा सके।डोनेट किए गए हर यूनिट ब्लड की एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी, मलेरिया, सिफलिस जैसी बीमारियों के लिए जांच की जाती है, ताकि रिसीवर को सुरक्षित ब्लड मिल सके।किसी भी तरह की प्रतिक्रिया जैसे कमजोरी, चक्कर आने की स्थिति में तुरंत मदद के लिए ब्लड बैंक में प्राथमिक चिकित्सा और जरूरी दवाएं उपलब्ध रहती हैं।

हार्ट अटैक का सबसे अजीब कारण, 1 मक्खी की वजह से करिश्मा कपूर के एक्स पति को पड़ा दौरा, उड़े सबके होश

नयी दिल्ली। हार्ट अटैक की वजह से कुछ सेकंड के अंदर जान चली

जाती है। हाई ब्लड प्रेशर, एलडीएल कोलेस्ट्रॉल, नसों की ब्लॉकेज के कारण दिल का दौरा पड़ने के कई सारे मामले हैं। लेकिन क्या आप ने कभी किसी मक्खी की वजह से हार्ट अटैक आने की खबर सुनी है? ऐसा ही कुछ करिश्मा कपूर के एक्स पति संजय कपूर के मामले में सुनने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय कपूर पोलो खेल रहे थे, जिस दौरान उनके मुंह में एक मधु मक्खी चली गई। इसके बाद केवल 53 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में संजय कपूर के हार्ट अटैक का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि पोलो ग्राउंड पर खेलते हुए अचानक उनके मुंह के अंदर एक मधुमक्खी चली गई। जिसने उन्हें काटा और उनके विंडपाइप को ब्लॉक कर दिया। वो सांस नहीं ले पा रहे थे और और फिर दिल का दौरा पड़ा।मुंबई स्थित कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी विभाग में keâbmeušWš Dr. Pravin Kahale ने बताया कि अभी इस मामले का एकदम सटीक कारण नहीं पता चला है। लेकिन मधुमक्खी की वजह से इसमें दो संभावित स्थिति हो सकती हैं।जैसा जानने को मिला है कि मधुमक्खी उनके मुंह में घुसकर विंडपाइप तक कई होगी। जिससे सांस की नली ब्लॉक होने से चोकिंग हो गई होगी। यह छोटी सी स्थिति है, लेकिन चोक होने से शरीर और दिमाग में ऑक्सीजन की सप्लाई रुक जाती है। अगर किसी को पहले से दिल की कोई समस्या है, जो ऑक्सीजन की कमी से कार्डियक अरेस्ट हो सकता है। हालांकि एक स्वस्थ दिल आमतौर पर ऐसी स्थिति में पंप करना बंद नहीं करता है।दूसरी वजह एनाफिलेक्टिक रिएक्शन हो सकती है। अगर मधुमक्खी ने गले या मुंह के अंदर डंक मारा है तो खून में उसका जहर जाने से ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट आ सकती है। सांस की नली में सूजन आ सकती है और ऑक्सीजन लेवल गिर सकता है। ऐसे में शरीर एलर्जेन के खिलाफ रिएक्ट करता है और जिस व्यक्ति को पहले से हार्ट ब्लॉकेज या दिल की बीमारी है उसे कार्डियक अरेस्ट आ सकता है।सीने में अचानक दर्द उठना, हाथ-पीठ, गर्दन का दर्द पहुंचना, सांस फूलना, सिर घूमना या चक्कर आना हार्ट अटैक आने के संकेत हो सकते हैं।

साप्ताहिक राशिफल

मेष- यह सप्ताह आपके लिए नई शुरुआत और आत्मविश्लेषण का रहेगा। करियर में कुछ नए अवसर दस्तक दे सकते हैं,

वृषभ-माता के स्वास्थ्य के विषय में चिंता रहेगी। स्थावर संपत्ति के दस्तावेज के पत्रों पर हस्ताक्षर करना संभवतः टालिएगा। नकारात्मक विचारों से बंधकर चलिएगा।

मिथुन-कार्यसफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। प्रतिस्पर्धी भी आपसे पराजित होंगे। घर में विसंवादिता का वातावरण बना रहेगा।

कर्क-लंबे समय की योजनाओं के आयोजन के विषय में सोचते-सोचते आप द्विधापूर्ण मनःस्थिति में फँस जाएँगे। परिवारजनों के साथ वातावरण तनावपूर्ण रहेगा। निर्धारित कार्यों में विचारों की अपेक्षा कम सफलता मिलेगी।

सिंह-आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे ऐसा गणेशजी कहते हैं। आप प्रत्येक कार्य दृढ़ निर्णयशक्ति से करेंगे।

कन्या-आपका मन कुछ अधिक भावनाशील रहेगा। भावनाओं के प्रवाह में बहकर आप किसी अविचारी कार्य न कर बैठें इसके लिए सावधान रहिएगा।

तुला-प्रवास-पर्यटन पर जाने का तथा मित्रों से लाभ मिलने का सप्ताह है। व्यापार के क्षेत्र में आपको लाभ होगा। संतानों के साथ सम्बंध सुमधुर रहेंगे।

वृश्चिक-दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास से आप प्रत्येक कार्य सरलतापूर्वक पूर्ण करेंगे। व्यवसाय और व्यापार के क्षेत्र में भी आपकी बुद्धि-प्रतिभा को प्रशंसित किया जाएगा।

धनु- आपका के सप्ताह का व्यवहार धार्मिक रहेगा। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग में उपस्थित रहेंगे। आपका व्यवहार भी कुछ न्यायप्रिय रहेगा।

मकर-सप्ताह के लिए संभलकर चलने के लिए गणेशजी सूचन करते हैं। स्वास्थ्य के विषय में लापरवाह न रहिएगा और निषेधात्मक विचारों को अपने पर प्रभावी न होने दीजिएगा।

कुम्भ-साधारण सी बातों में दांपत्यजीवन में बात का बतंगड बन जाएगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। सांसारिक प्रश्नों और विषयों के लिए आप उदासीनवृत्ति से व्यवहार करेंगे तो अच्छा रहेगा।

मीन- आपका मन चिंतामुक्त रहेगा। शंका-कुशंकाओं की छाया के कारण प्रफुल्लितता का अनुभव नहीं होगा।

अहमदाबाद विमान हादसा-100 ताबूत तैयार करने का ऑर्डर,मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा; 248 शवों की डीएनए जांच पूरी, 6 का मैच हुआ

नयी दिल्ली। अहमदाबाद में और परिवार को बॉडी हैंडओवर की शव एयर होस्टेस का हो सकता है।

विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा गया है। मृतकों के शवों को रखने के लिए 100 ताबूत का ऑर्डर दिया गया। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया।इधर, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा- अब तक 248 शवों का डीएनए सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है, जिसमें से 6 का डीएनए मैच हुआ है। पटेल ने कहा कि पूर्णिमाबेन पटेल का शव उनके परिवार को सौंपा गया है। एक प्रक्रिया जारी है। 8 घायलों इलाज का चल रहा है, इसमें एक की हालत गंभीर है। वहीं, सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इससे पहले बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा था। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। कहा जा रहा है कि यह सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई है।अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में विमान के पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को भेजा गया आखिरी मैसेज सामने आया है। 4-5 सेकेंड के संदेश में सुमित कह रहे हैं, 'मेडे, मेडे, मेडे... थ्रस्ट नहीं मिल रहा। पावर कम हो रही है, प्लेन उठ नहीं रहा। नहीं बचेंगे।'

24 घंटे में कोरोना के 269 नए मरीज मिले:देश में अब तक 87 जानें गईं, 7400 एक्टिव केस; राजस्थान में दो की मौत

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते

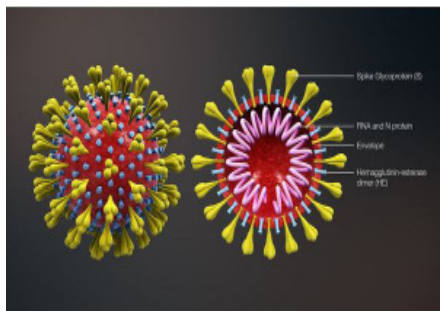

घंटे में कोरोना के 269 नए केस सामने आए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तक देशभर में कोरोना के 7400 एक्टिव मामले हैं। वहीं मौत का आंकड़ा बढ़कर 87 हो गया। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25 मौतें हुई हैं।शुक्रवार को राजस्थान और केरल में दो लोगों की कोरोना से मौत हो गई। राजस्थान में 70 साल की महिला और केरल में 82 साल के बुजुर्ग ने सांस लेने में तकलीफ के चलते दम तोड़ दिया। राजस्थान में यह कोरोना से इस साल में यह दूसरी मौत है, जबकि केरल में जनवरी से अब तक 23 लोगों की जान गई है। केरल में इस वक्त देश के सबसे ज्यादा 2109 कोविड मरीज हैं। हालांकि, गुरुवार तक 2165 एक्टिव केस थे। उत्तर प्रदेश सरकार हुए सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है। राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना के 34 नए मरीज मिले। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के अटैच हॉस्पिटल में भर्ती 70 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला को सांस लेने में तकलीफ के कारण भर्ती कराया गया था। जांच में महिला की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। इससे पहले जयपुर में पिछले महीने एक मरीज की मौत हुई थी।

मणिपुर में 300 से ज्यादा राइफल, हथियार और गोला-बारूद बरामद; सुरक्षा बलों ने 5 जिलों में सर्चिंग की था

नयी दिल्ली। मणिपुर की इंफाल घाटी पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त 73 अन्य राइफलें, पांच कार्बाइन गन, दो

के पांच जिलों से 300 से ज्यादा राइफल समेत हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। यह बरामदगी मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र टीमों ने शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को एक जॉइंट ऑपरेशन के दौरान की। जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर राइफलें, 65 इंसास राइफलें, एमपी5 गन, 12 लाइट मशीन गन, छह एके सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफलें, एक मोर्टार, छह पिस्तौल, एक एआर-15 और दो फ्लेयर गन शामिल हैं।

प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री से मिले पीएम मोदी:10 मिनट बातचीत की; पैसेंजर रमेश बोला- दरवाजा टूटा और मैं सीट समेत नीचे गिर गया

नयी दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन था कि मैं भी मरने वाला हूं। मेरी शायद कोई नहीं निकल सका। आंखों

हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था। रमेश कुमार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की और हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई। इसके बाद रमेश ने डीडी न्यूज से बातचीत में कहा, पीएम ने उनका हालचाल जाना और पूछा कि हादसा कैसे हुआ। रमेश प्लेन की 11ए सीट पर बैठे थे। हादसे के बाद वे घटनास्थल से खुद पैदल चलकर बाहर निकले। हादसा कैसे हुआ? जवाबः सब कुछ मेरे सामने हुआ। मुझे पता नहीं कैसे यह हुआ। मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। थोड़े वक्त के लिए लगा आंख खुली तो लगा कि मैं जिंदा हूं। मैंने सोचा मैं यहां से निकल सकता हूं और मैं निकल गया। सवालः फ्लाइट के टेक ऑफ होते ही क्या हुआ? जवाबः टेक ऑफ होते ही पांच-दस सेकेंड के अंदर लगा कि स्टाप हो गया हो है। बाद में ग्रीन और व्हाइट लाइट ऑन हो गई। फिर जैसे ही स्पीड बढ़ाई। उसी समय गिर गया और थमाका हो गया। सवालः जब फ्लाइट हॉस्टल पर गिरी तभी आप बाहर निकले थे। जवाबः मेरी सीट प्लेन के जिस हिस्से में थी, वो बिल्डिंग के निचले हिस्से से टकराया होगा। ऊपर के हिस्से में आग लग गई थी, कई लोग वहीं फंसे गए। शायद मैं सीट समेत नीचे गिर गया था। मैं जैसे-तैसे निकल पाया। दरवाजा टूट गया था और सामने कुछ खाली जगह दिखी, तो निकलने की कोशिश की। दूसरी साइड पर दीवार थी, वहां से के सामने ही दो एयर होस्टेस, एक अंकल-आंटी और सब कुछ जल रहा था। सवालः आप पैदल चलकर आए वहां से। जवाबः हां।उड़ान संख्या एआई-171 (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन) अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। गुरुवार दोपहर 1.40 बजे क्रैश हो गई। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। एक यात्री जिंदा बचा है। 240 लोगों की मौत हुई है। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव पूरी तरह से झुलस गए।

कनाडा पुलिस ने रु400 करोड़ की कोकीन पकड़ी:भारतीय मूल के 7 लोग गिरफ्तार, दावा- पैसे का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों में होता था

नयी दिल्ली। कनाडा की पील रीजनल पुलिस ने एक बड़े ड्रग नेटवर्क का खुलासा करते हुए कोकीन तस्करी

के आरोप में 7 भारतीय समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क से जुड़े लोग खालिस्तान समर्थक हैं। दरअसल, कनाडा पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन नाम से एक ऑपरेशन चलाया था। इस ऑपरेशन में फरवरी से मई के बीच 479 किलो कोकीन जब्त की गई, जिसकी कीमत 47.9 मिलियन डॉलर (लगभग 400 करोड़ रुपए) है। टीओआई की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ड्रग तस्करी से मिले पैसे का इस्तेमाल कई भारत विरोधी गतिविधियों में होता था।6 जून तक मामले में गिरफ्तार गए किए भारतीय मूल के लोगों में टोरंटो के साजगित योगेंद्र राजा (31), ब्रैम्पटन के मनप्रीत सिंह (44), ब्रैम्पटन के अरविंदर पोवार (29), कैलेडन के करमजीत सिंह (36), कैलेडन के गुरतेज सिंह (36), कैम्ब्रिज के सरताज सिंह (27) और जॉर्जटाउन के शिव ओंकार सिंह (31) शामिल हैं।इनके अलावा 2 अन्य आरोपी मिसिसॉगा के हाओ टॉमी हुइन्ह (27) और हैमिल्टन के फिलिप टेप (39) को गिरफ्तार किया गया है। कनाडाई पुलिस ने बताया कि इन सभी पर हथियार और ड्रग्स से जुड़े कुल 35 आरोप लगाए गए हैं। पील पुलिस ने कहा, 'गिरफ्तार लोगों को ब्रैम्पटन की ओंटारियो कोर्ट ऑफ जस्टिस में जमानत के लिए पेश किया गया है।' ओंटारियो के सॉलिसिटर जनरल माइकल एस. कर्जर ने कहा कि प्रोजेक्ट पेलिकन इस बात का सबूत है कि सही संसाधनों के साथ पुलिस हमारे समाज को सुरक्षित रख सकती है।टीओआई की एक रिपोर्ट में कनाडा की पुलिस के हवाले से बताया गया है कि, यह नेटवर्क अमेरिका से कनाडा तक कमर्शियल ट्रकिंग रूट्स का इस्तेमाल कर कोकीन की तस्करी करता था। इसका मैक्सिकन कार्टेल्स और अमेरिका के ड्रग डिस्ट्रीब्यूटर्स से संबंध था। ड्रग तस्करी से मिले पैसे भारत विरोधी गतिविधियों, जैसे विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह और हथियारों की फंडिंग के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इस नेटवर्क को समर्थन दे रही थी, जो मैक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी में शामिल था। ये जांच जून 2024 में शुरू हुई थी। जिसमें कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी और अमेरिकी ड्रग इन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन की मदद से कई लोग, ट्रैकिंग कंपनियां और स्टोरेज साइट्स की पहचान की गई। फरवरी से मई 2025 के बीच विंडसर के ऐंबेसडर ब्रिज पर 127 किलो और पॉइंट एडवर्ड के ब्लू वॉटर ब्रिज पर 50 किलो कोकीन जब्त की गई। ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में भी कई जब्तियां हुईं, जहां कुछ लोग अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए। कुल 479 किलो कोकीन और दो अवैध हैंड गन जब्त की गईं।कनाडा खालिस्तानियों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। इसकी वजह से पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के राजनीतिक संबंधों पर काफी फर्क पड़ा है। हाल ही में कनाडा की ओर से जी7 शिखर सम्मेलन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं बुलाने की अटकलें लगाई जा रही थी। हालांकि, कनाडा ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को जी7 में शामिल होने के लिए न्योता भेजा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को फोन कर समिट के लिए बुलाया। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी थी। अब मोदी की कनाडा यात्रा से पहले खालिस्तानियों को लेकर इतना बड़ा एक्शन लेने पर उम्मीद जताई जा रही है कि कनाडा-भारत के रिश्ते फिर से सुधार सकते हैं।

अमेरिका हिंसा- चोरी हुए आईफोन चोरों को दे रहे चेतावनी:कृपया फोन वापस करें

नयी दिल्ली। अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों और दंगों के दौरान उपद्रवियों ने एपल स्टोर से बड़ी संख्या में आईफोन चोरी किए। लेकिन अब ये चोरी किए गए आईफोन खुद से चेतावनी देने लग गए हैं। इन फोन्स की स्क्रीन पर लिखा आ रहा है 'कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें। यह डिवाइस लॉक कर दी गई है और ट्रैक हो रही है। स्थानीय पुलिस को सूचित किया जा रहा है' यह घटना लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन इलाके में हुई। जहां अप्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुआ था। लेकिन कुछ ही घंटों में प्रदर्शन हिंसक हो गया और दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू हो गई।एपल ने पहले से ही अपने स्टोर्स में रखे डेमो आईफोन्स में खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा है। ये सॉफ्टवेयर फोन चोरी होते ही उसे लॉक कर देता है, ट्रैक करने लगता है और एक चेतावनी संदेश दिखाता है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने यह सुरक्षा फीचर सिर्फ स्टोर में रखे डेमो फोनों के लिए बनाया है। यह फीचर आम ग्राहकों के फोन में नहीं होता है। एपल इस तकनीक को सालों से इस्तेमाल कर रहा है ताकि स्टोर से चोरी रोकी जा सके। जैसे ही कोई डेमो फोन स्टोर से बाहर ले जाया जाता है, वह खुद-ब-खुद लॉक हो जाता है और ट्रैकिंग चालू हो जाती है। सोशल मीडिया पर इन फोन्स की चोरी से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। इनमें कुछ लोगों ने एपल स्टोर से फोन चुराए, लेकिन फोन चालू करते ही स्क्रीन पर चेतावनी दिखने लगी और फोन काम करना बंद कर गया।अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के विरोध में चोरी और लूटपाट की घटनाएं लगातार सामने आई हैं। मंगलवार को नकाबपोश दंगाइयों ने एक मॉल में स्थित जारा स्टोर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग जारा स्टोर के दरवाजे तोड़कर अंदर घुसते और सामान लूटते दिखे। एक अन्य वीडियो में कुछ उपद्रवी एडिडास स्टोर, फार्मेसियां, मारिजुआना दुकानें और ज्वेलरी शॉप्स में भी तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं।

व्हाइट हाउस- ट्रम्प ने मस्क की माफी स्वीकार की:मस्क बोले थे- पछतावा है; उपराष्ट्रपति वेंस ने लड़ाई खत्म करने की पहल की थी

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मस्क की माफी को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी

स्वीकार कर लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को प्रेस को बताया कि- 'राष्ट्रपति ने मस्क की पोस्ट को सराहा। हम अब अमेरिकी जनता पर ध्यान दे रहे हैं।' मस्क के सरकारी अनुबंधों की समीक्षा के बारे में पूछने पर प्रेस सचिव ने कहा कि अभी तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। सीएनएन के अनुसार, मस्क ने 9 जून की रात ट्रम्प से फोन पर बात की थी। इससे पहले 6 जून को वाइल्स ने मस्क से फोन पर बात की थी। इस बातचीत में वेंस ने मस्क से विवाद खत्म करने की पहल की थी। दरअसल, मस्क ने डोनाल्ड ट्रम्प से बहस को लेकर खेद जताया था। उन्होंने 11 जून को इसे लेकर एक सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया था। मस्क और ट्रम्प के बीच विवाद से टेस्ला के शेयरों में गिरावट आई, जो इस साल 19फीसदी नीचे हैं। जो लगभग 300 बिलियन डॉलर (26 लाख करोड़) के बराबर है। यूरोप, चीन और अमेरिका में टेस्ला की बिक्री घटी है, क्योंकि मस्क की दक्षिणपंथी राजनीति से ग्राहक दूरी बना रहे हैं। मस्क ड्राइवरलेस तकनीक पर जोर दे रहे हैं, लेकिन यह तकनीक शुरुआती चरण में है। ट्रम्प के साथ तनाव से टेस्ला की रोबोटैक्सी योजनाओं पर असर पड़ सकता है।मस्क ने पिछले कुछ पोस्ट में उन्होंने ट्रम्प के बयानों और नीतियों का समर्थन भी किया है। उन्होंने लॉस एंजिलिस में अवैध अप्रवासियों पर हुई छापेमारी को लेकर खुशी भी जताई। इससे पहले एक इंटरव्यू में जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प से मस्क को लेकर सवाल पूछा गया था, तो उन्होंने बेहद शांत लहजे में जवाब दिया। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे बीच अच्छे संबंध थे और मैं बस उनके अच्छे होने की कामना करता हूं।' ट्रम्प का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इससे ही जुड़े एक वीडियो पर इलॉन मस्क ने 'रेड हार्ट' इमोजी कमेंट किया था।मस्क पहले ट्रम्प के खिलाफ की गई अपनी कुछ पुरानी पोस्ट हटा चुके हैं। उन पोस्ट में ट्रम्प का रिश्ता एक यौन अपराधी एप्स्टीन से जोड़ा गया था। इसके अलावा ट्रम्प के महाभियोग की भी मांग की थी। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने 7 जून को कहा था कि उनका इलॉन मस्क के साथ रिश्ता खत्म हो गया है। एनबीसी न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने मस्क को चेतावनी दी थी कि अगर विपक्षी डेमोक्रेट्स का साथ दिया तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।ट्रम्प और मस्क 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हो चुका है।इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे। अब यह सीनेट में विचाराधीन है, जहां इसे 4 जुलाई 2025 तक पास किया जाना है। मस्क अब ट्रम्प के इस विधेयक के रास्ते में बड़ी रुकावट बनते दिख रहे हैं। ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बिल को पास होने से रोकने के लिए मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के 3 सांसदों को अपनी तरफ कर लिया है।

ट्रम्प का पाक प्रेम बढ़ रहा, मुनीर को न्योता दिया:यूएस आर्मी की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे; इमरान की पार्टी विरोध करेगी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका दौरे पर पहुंचेंगे। वे शनिवार यानी 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस मौके पर राजधानी वॉशिंगटन में एक परेड का आयोजन होगा। मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा 2023 में हुआ था, तब उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की थी। उस वक्त भारत ने कहा था कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद का समर्थन और क्रॉस-बॉर्डर हमलों को लेकर हमारी चिंताएं जगजाहिर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अन्य देश भी आतंकवाद के खिलाफ गंभीरता से कदम उठाएंगे।मुनीर के दौरे से पहले ही विरोध के स्वर भी सुनाई देने लगे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने इस दौरे के दौरान प्रदर्शन की धमकी दी है। पीटीआई के ओवरसीज अफेयर्स

सेक्रेटरी सज्जाद बुरकी ने शनिवार को वॉशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन की अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- व्हाइट हाउस को बताएं कि इस सरकार के साथ कोई भी समझौता पाकिस्तान की जनता स्वीकार नहीं करेगी।मुनीर के दौरे से पहले पाकिस्तान को लेकर अमेरिका के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला का कहना है कि अमेरिका को भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ रिश्ते बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना इस्लामी स्टेट खुरासान के खतरे से निपटने के लिए जरूरी है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई के दौरान दिया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को याद दिलाया कि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी। ओसामा को खोजने में मदद करने वाले डॉ. शकील अफरीदी को पाकिस्तान की सेना ने अब तक जेल में रखा है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर के दौरे की वजह चीन से भी जुड़ी हो सकती है। बीते कुछ वक्त में पाकिस्तान और चीन की नजदीकी बढ़ गई है। अमेरिका मुनीर को अपने यहां परेड में शामिल करके अमेरिका चीन के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान में लीथियम, तांबा, सोना और दुर्लभ खनिजों का भंडार है, लेकिन उसके पास जरूरी टेक्नोलॉजी और लागत की कमी है। ऐसे में पाकिस्तान में अमेरिका के लिए निवेश का मौका बन सकता है। मुनीर का दौरा अमेरिका और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण सुरक्षा संबंधों को सुधारने की कोशिश भी हो सकता है।पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को पिछले महीने प्रमोट करके फील्ड मार्शल बनाया गया है। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च पद है। मुनीर को ये प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। इससे पहले 1959 में अयूब खान ने पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन करने के बाद खुद को पहला फील्ड मार्शल घोषित किया था। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया। उन्होंने कहा- अमेरिका को पाकिस्तान और भारत दोनों से रिश्ते रखने होंगे। ये बाइनरी स्विच नहीं है कि एक से रिश्ता रखेंगे तो दूसरे से नहीं रख सकते। हमें रिश्तों के फायदों को देखना चाहिए।जनरल कुरिल्ला के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ आतंकी हमला सीमा पार आतंकवाद का हालिया उदाहरण है। जायसवाल ने कहा कि अमेरिका ने ही 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड पाकिस्तानी मूल के कनाडाई तहव्वुर राणा को हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया है। उन्होंने यह भी

शेख हसीना का आरोप- यूनुस को आतंकियों का साथ:रोहिंग्या कॉरिडोर के बहाने अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप बेचने की साजिश

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस को आतंकियों का समर्थन प्राप्त है और वह देश की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। हसीना की तरफ से फेसबुक पर जारी किए गए बयान में कहा गया कि यूनुस के शासन में देश में अपराध और हिंसा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं शहरों में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और त्योहारों पर लोग गांव जाने से डरते हैं, क्योंकि आतंकियों का डर बना रहता है। शेख हसीना ने यह भी दावा किया कि यूनुस 2026 में चुनाव कराने की बात कहकर बांग्लादेश की जनता के साथ अप्रैल फूल जैसा मजाक करना चाहते हैं।हसीना ने कहा कि मोहम्मद यूनुस संयुक्त राष्ट्र के एक पुराने सुझाव को लेकर रोहिंग्या कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए बांग्लादेश का सेंट मार्टिन द्वीप बेचा जा सकता है और समुद्र तक देश की पहुंच खतरे में पड़ सकती है। हसीना ने चेतावनी दी कि यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है और विदेशी ताकतें इसका फायदा

उठा सकती हैं। सेना प्रमुख ने भी इसे खूनी कॉरिडोर बताया था और कहा था कि इस पर कोई फैसला केवल चुनी हुई सरकार ही ले सकती है। हसीना ने दावा किया कि अगर वह अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देतीं, तो आज भी सत्ता में होतीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह देश की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकतीं। हसीना ने यह भी आरोप लगाया कि यूनुस रोहिंग्या शरणार्थियों की समस्या को नहीं सुलझा पा रहे हैं और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की हत्या हो रही है और यूनुस उन्हें सुरक्षा देने में विफल हैं।जून 2021 में बांग्ला अखबारों में दावा किया गया था कि अमेरिका, बांग्लादेश से सेंट मार्टिन द्वीप की मांग कर रहा है। वह यहां मिलिट्री बेस बनाना चाहता है। इसके बाद बांग्लादेश वर्कर्स पार्टी के अध्यक्ष रशीद खान मेनन ने भी संसद में कहा कि अमेरिका सेंट मार्टिन द्वीप हासिल करना चाहता है और क्वाड का मेंबर बनने के लिए दबाव बना रहा है। सेंट मार्टिन द्वीप जिसे लेकर बांग्लादेश की राजनीति में इतना हंगामा मचा वह सिर्फ 3 वर्ग किमी का एक द्वीप है। म्यांमार से इसकी दूरी सिर्फ 5 मील है। जून 2023 को पीएम हसीना ने कहा था कि विपक्षी बीएनपी पार्टी अगर सत्ता में आई तो वे सेंट मार्टिन बेच देंगे।1971 में अपनी आजादी के बाद बंगाल की खाड़ी से होकर व्यापार करने वाले दुनिया के दो ताकतवर देश अमेरिका और चीन की नजर इस द्वीप पर है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008
(उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।